श्यामलाल महाविद्यालय (सांध्य)

विवरणिका 2024-25

निर्देश

इस सूचना प्रपत्र की सामग्री की प्रामाणिकता की जाँच में सभी सावधानियाँ बरती गई हैं। तथापि, विश्वविद्यालय के नियमों, अधिनियमों, अध्यादेशों और विधियों में निहित सूचना अंतिम होगी। । इस सूचना प्रपत्र में उपलब्ध विवरण मात्र निर्देशात्मक हैं और कानूनी उद्देश्य से उनका उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

पद्मश्री (दिवंगत) श्री श्यामलाल गुप्ता जी
संस्थापक, श्यामलाल महाविद्यालय (सांध्य)

श्रीमती सविता गुप्ता जी
माननीय अध्यक्षा,
प्रबंध समिति
श्यामलाल महाविद्यालय (सांध्य)

विवरणिका

खण्ड- I: श्यामलाल महाविद्यालय (सांध्य) परिचय

महाविद्यालय परिचय 06
प्राचार्य की कलम से 08
संकाय 09
शिक्षक प्रभारी. 13
आधारभूत संरचना एवं सुविधाएँ 14
कर्मचारी परिषद समितियां 2024-25. 17

खण्ड- II: प्रवेश-प्रक्रिया

प्रवेश समितियां 2024-25. 23
सीट-आरक्षण. 26
पाठ्यक्रम: शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए संयोजन और श्रेणी-वार 31
ईसीए श्रेणी के तहत सीटों की संख्या 2024-25 32
खेल श्रेणी के तहत सीटों की संख्या 2024-25 33
नामांकन दिशा-निर्देश 34
शुल्क विवरण 36
नामांकन के समय दस्तावेजों की आवश्यकता 38

खण्ड- III: महाविद्यालय विद्यार्थी प्रकरण

वित्तीय सहायता तथा छात्रवृत्ति और शैक्षणिक पुरस्कार 42
विभागीय छात्र-समितियाँ 44
पाठ्येतर गतिविधियाँ 46
आंतरिक शिकायत समिति 50
पूर्वोत्तर प्रकोष्ठ 50
नोडल एवं संपर्क पदाधिकारी 51
अनुशासनात्मक अधिकार-क्षेत्र और आचार नियमावली 52
रैगिंग-विरोधी नियम 55
महत्वपूर्ण वेबसाइटें और उनके लिंक. 56
अवकाश सूची 57
शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए शैक्षणिक कैलेंडर 58

खण्ड: I

महाविद्यालय परिचय

OFFICE BEARERS

PICOHOLICS
GPS Map Camera
Delhi, Delhi, India
M7FM+G3X, Dwarkapuri, Shahdara, Delhi, 110032, India
Lat 28.674104°
Long 77.282337°
30/04/24 03:58 PM GMT +05:30
Google

SHYAM LAL COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI

"Artificial Intelligence"
Dr. Vinita Jindal

महाविद्यालय परिचय

पद्मश्री (दिवंगत) श्री श्यामलाल गुप्ता जी ने 1964 में श्यामलाल चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्कालीन अध्यक्ष के रूप में श्यामलाल महाविद्यालय की स्थापना की। भारत के तत्कालीन माननीय उपराष्ट्रपति और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, दिवंगत डॉ. जाकिर हुसैन ने 24 मई, 1964 को इस महाविद्यालय की आधारशिला रखी। 8 सितंबर, 1969 से सांध्य महाविद्यालय ने कामकाज शुरू किया। एक हजार आठ सौ से अधिक विद्यार्थियों को वाणिज्य और मानविकी का ज्ञान प्रदान करने वाला यह महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्ण-विकसित महाविद्यालयों में से एक है। महाविद्यालय अन्तर्राष्ट्रीय-राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी, इनोवेशन प्रोजेक्ट्स, विश्वविद्यालय पुष्प प्रदर्शनी, खेलकूद, इको-क्लब, एनसीसी, एनएसएस, गांधी अध्ययन केंद्र, इनैक्टस और इतिहास विभाग व्याख्यान जैसी विविध सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के लिए सुर्ख़ियों में बना रहता है।

वर्तमान समय के विश्व-स्तरीय प्रतिस्पर्धात्मक और तकनीकी प्रेरित वातावरण में, महाविद्यालय का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को सशक्त बनाना है, जो रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देकर उनमें नैतिक आचरण का संचार करती है।

इस महाविद्यालय के पूर्व छात्र विभिन्न व्यवसायों में सेवा दे रहे हैं, जिनमें सिविल सेवा, कॉर्पोरेट, शिक्षाविद्, रक्षा से लेकर राजनीति तक शामिल हैं। महाविद्यालय अच्छे इंफ्रास्ट्रक्चर, कंप्यूटर लैब्स, डे केयर सेंटर, पीडब्ल्यूडी कक्ष और विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं और पुस्तकों से लैस अध्ययन कक्ष से सुसज्जित है।

महाविद्यालय जी. टी. रोड, शाहदरा, दिल्ली में अपने स्वयं के एक विस्तृत भवन में स्थित है। कई बस मार्गों के अलावा, यहाँ दिल्ली मेट्रो के माध्यम से भी पहुँचा जा सकता है। आगंतुक रेड लाइन, रिठाला-शहीद स्थल (एनबीए) के 'वेलकम' मेट्रो स्टेशन पर उतर सकते हैं जहां से महाविद्यालय बमुश्किल सौ गज की दूरी पर है।

महाविद्यालय को कई संस्थाओं से मान्यता मिली है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) ने इसे B+ ग्रेड से मान्यता दी है। महाविद्यालय को ISO 9001:2015 की आवश्यकताओं के अनुपालन में भी पाया गया है।

प्राचार्य की कलम से

प्रिय छात्रों,

शिक्षा व्यक्ति और समाज के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह ज्ञान और सिद्धांत प्रस्तुत करने और उन्हें समझाने तक सीमित नहीं है। छात्रों को डिग्री और प्रमाणपत्र देने तथा रोजगार पाने के योग्य बनाने के बाद भी शिक्षा की भूमिका समाप्त नहीं हो जाती है। राष्ट्र के वर्तमान को संवारने तथा भविष्य को आकार देने में शिक्षा की गहरी भूमिका होती है। इस अर्थ में शिक्षा की सर्वोच्च जिम्मेदारी समाज, राष्ट्र और विश्व की नियति निर्धारित करना है।

श्यामलाल कॉलेज (सांध्य), दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों में है जो युवा पीढ़ी के जीवन को सकारात्मक संदर्भ दे रहा है। अत्यंत समर्पण के साथ मूल्य आधारित शिक्षा के माध्यम से उनके समग्र विकास को सुनिश्चित कर रहा है। हम छात्रों को स्वतंत्र रूप से विचार व्यक्त करने और विकसित करने के लिए मंच प्रदान करते हैं ताकि वे देश और दुनिया में तेजी से हो रहे परिवर्तनों का अच्छे से सामना कर सकें। हम भविष्य के उन नागरिकों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो अपने व्यक्तिगत और पेशेवर मोर्चों पर प्रतिबद्धता और समर्पण से डटे रहे।

हमारे महाविद्यालय के कर्मठ और रचनाशील शिक्षक छात्रों को एक आत्मविश्वास से भरपूर ईमानदार मनुष्य बनाने का उपक्रम करते हैं ताकि वह समाज के लिए मूल्यवान सिद्ध हो सके।

मैं आपको सुनहरे कल के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। हम सब मिलकर 2024-25 को रचनात्मक शिक्षा, सार्थक शैक्षिक परिवर्तन और राष्ट्रीय विकास का वर्ष बनाएँ।

प्रो. नचिकेता सिंह
प्राचार्य

संकाय

वाणिज्य विभाग

1. श्री पवन कुमार भूरा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. कॉम.
2. डॉ. अशोक कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, एम .कॉम., पीएच. डी
3. डॉ. सुरेश कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. कॉम., एम. फिल., पीएच. डी
4. डॉ. अनिल कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. कॉम., एम. फिल., पीएच. डी
5. प्रो. ए. पी. त्रिपाठी, प्रोफेसर, एम. कॉम. ,पीएच. डी
6. डॉ. मनु उमेश, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. कॉम. ,पीएच. डी
7. श्री कमलेश अत्री, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. कॉम., एम.फिल.
8. डॉ. राजेंद्र कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. कॉम., पीएच. डी
9. डॉ. शैलेंद्र मोहन सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)
10. श्री अंकुर छाबरा, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)
11. डॉ. रेखा कश्यप, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)
12. सुश्री ईरा भारद्वाज, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)
13. डॉ. टेक चंद, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)
14. डॉ. रोली रघुवंशी, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)
15. श्री संजय कुमार शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)

कंप्यूटर विज्ञान

1. सुश्री सोनिया सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)
2. डॉ. करन गुप्ता, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)

अर्थशास्त्र विभाग

1. डॉ. सुरभि बधवार, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी
2. डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., पीएच. डी
3. श्री अनिल कुमार सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल.
4. डॉ. नेहखोलेन हॉकिप, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., पीएच. डी
5. श्री सुरेंद्र कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल.
6. श्री अजय गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल
7. डॉ. स्तुति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., पीएच. डी
8. श्री मनोज कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)
9. सुश्री दीपिका जजोरिया, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)
10. श्री राम गति सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)

अंग्रेजी विभाग

1. डॉ. संदीप कुमार यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., पीएच. डी
2. सुश्री गौरी सक्सेना, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल.
3. डॉ. कुसुम देवी, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी
4. डॉ. प्रीति शुक्ला, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., पीएच. डी
5. डॉ. वत्सल सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)
6. डॉ. मेघा जैन, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)
7. डॉ. सारिका त्यागी, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)

हिंदी विभाग

1. प्रो. सुमित्रा, प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी
2. प्रो. अर्चना उपाध्याय, प्रोफेसर, एम. ए., पीएच. डी
3. प्रो. अनिल कुमार राय, प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी
4. डॉ. एस. खुराना, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी
5. डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी
6. डॉ. रीनू गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी
7. डॉ. दीपिका वर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी
8. प्रो. सरिता, प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी
9. डॉ. सुनीता सक्सेना, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी
10. डॉ. अमित सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी
11. डॉ. रामरूप मीना, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी
12. सुश्री अंजू बाला, असिस्टेंट प्रोफेसर (तदर्थ)

गणित विभाग

1. डॉ. भारती, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. एससी., पीएच. डी

इतिहास विभाग

1. डॉ. प्रमोद कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., पीएच. डी
2. डॉ. देव नारायण सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., एम.फिल., पीएच. डी

राजनीति विज्ञान

1. डॉ. अश्विनी जस्सल, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., एम.फिल., पीएच. डी
2. प्रो. कुमार प्रशांत, प्रोफेसर, एम. ए., एम.फिल., पीएच. डी
3. प्रो. ऋतेश भारद्वाज, प्रोफेसर, एम. ए., एम.फिल., पीएच.डी
4. डॉ. संध्या वर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर,एम. ए., पीएच. डी
5. सुश्री इला भूषण जैन, एसोसिएट प्रोफेसर, एम. ए., एम.फिल.
6. डॉ. एंजेला गैंगमेई, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. ए., एम.फिल., पीएच. डी
7. डॉ. मनोज कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. ए., एम.फिल., पीएच. डी
8. श्री. रजत चौधरी, असिस्टेंट प्रोफेसर, ,एम.ए.
9. डॉ. संजीव कुमार शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम. ए., एम.फिल., पीएच. डी
10. सुश्री एस श्रुति, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.ए.
11. श्री. गजेंद्र, असिस्टेंट प्रोफेसर, एम.ए.

पुस्तकालय अध्यक्ष

1. श्री शशिकांत शर्मा, पुस्तकालयाध्यक्ष (कार्यवाहक)

श्यामलाल महाविद्यालय(सांध्य) परिवार

शिक्षक प्रभारी

शैक्षणिक सत्र 2024-25 के अंतर्गत शिक्षक प्रभारी:

क्रम सं.	शिक्षक प्रभारी का नाम	विभाग
1	डॉ. अनिल कुमार	वाणिज्य
2	सुश्री सोनिया सिंह (तदर्थ)	कंप्यूटर विज्ञान
3	डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह	अर्थशास्त्र
4	डॉ. संदीप कुमार यादव	अंग्रेजी
5	प्रो. सुमित्रा	हिंदी
6	डॉ. देव नारायण सिंह	इतिहास
7	डॉ. भारती	गणित
8	प्रो. ऋतेश भारद्वाज	राजनीति विज्ञान

प्रशासनिक कर्मचारी

श्री धीरज बहल, प्रशासनिक अधिकारी (कार्यवाहक)/ प्राचार्य के वरिष्ठ निजी सहायक
श्री दीपक कुमार, अनुभाग अधिकारी (प्रशासन)
श्री रमेश कुमार, अनुभाग अधिकारी (लेखा) (कार्यवाहक)

आधारभूत संरचना एवं सुविधाएँ

पुस्तकालय

ऑनलाइन पुस्तकालय लिंक: http://slcelibrary.saraswatilib.com/

हमारे पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की श्रृंखला को प्रस्तुत करती 53,695 पुस्तकों का एक समृद्ध संग्रह है। यह वर्तमान में 14 हिंदी और अंग्रेजी समाचार पत्रों, 16 पत्र-पत्रिकाओं की सदस्यता लेता है।
ई-संसाधन सुविधा भी उपलब्ध है जिसके माध्यम से छात्र और शिक्षक दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस, डीयूएलएस. ई-जर्नल्स, ई-बुक्स, एन-लिस्ट और रिपोर्ट्स तक पहुंच सकते हैं।

हमारा पुस्तकालय स्व-चालित है और प्रकाशकों, विवरण पुस्तिकाओं, पुस्तक समीक्षाओं, वेबसाइट्स से परामर्श कर समसामयिक विषयों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। भूतल और ऊपरी पुस्तकालय भवन में विद्यार्थियों और कर्मचारियों के लिए ओपन एक्सेस सुविधाएं उपलब्ध हैं। कॉलेज का पुस्तकालय वातानुकूलित है।

महाविद्यालय नर्सरी

महाविद्यालय नर्सरी **(मणिकर्णिका उद्यान)** न केवल उद्यान समिति के अथक प्रयासों का प्रमाण है बल्कि इसने दिल्ली विश्वविद्यालय पुष्प प्रदर्शनी में पुरस्कार जीतकर मान्यता भी हासिल की है। समिति वर्षभर सक्रिय रहती है। कोविड-19 महामारी के चुनौतीपूर्ण समय के दौरान, पौधों की उपस्थिति ने तनाव से अति-आवश्यक राहत प्रदान की है। उनके चिकित्सकीय गुणों को पहचानते हुए, उद्यान समिति का उद्देश्य संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के बीच औषधीय पौधों जैसे पवित्र तुलसी, पिपरमेंट, मीठी तुलसी और लेमन ग्रास आदि के अनेक लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाई है।

वर्तमान में, समिति का जोर परिसर की हवा को शुद्ध रखने के लिए ऑक्सीजन उत्पन्न करने वाले घरेलू पौधों को बढ़ावा देने पर है। उद्यान समिति हमारे चारों ओर मौजूद प्राकृतिक वातावरण के प्रति जिम्मेदारी और सराहना की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्व विश्वविद्यालय सेवाएँ
(डबल्यू. यू. एस.)

डबल्यूयूएस एक अन्तर्राष्ट्रीय ग़ैर सरकारी संगठन है जो शिक्षा, विकास और मानवाधिकारों पर ध्यान केंद्रित करता है। डबल्यूयूएस का उद्देश्य समाज की भलाई के लिए काम करना और स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता फैलाना है। यह शारीरिक के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करता है। स्थापना के उपरांत, संस्था अपने उद्देश्य को स्पष्ट करने और विद्यार्थियों को जागरूक बनाने के लिए कई कार्यशालाओं, सेमिनारों, शिविरों और गतिविधियों का आयोजन करती रही है।

सक्षम इकाई (इनेबलिंग यूनिट)

महाविद्यालय की सक्षम इकाई समय-समय पर दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों की जरूरतों को पूरा करती रही है। महाविद्यालय में उनके शैक्षिक कार्यों को सुविधाजनक बनाने के लिए उन्हें सभी सुविधाओं से लैस एक विशेष कमरा प्रदान किया गया है। अधिकतम संभव स्थानों पर मार्ग पर रैंप और संकेत चिन्ह उपलब्ध कराए गए हैं। जहां 100% बाधामुक्त आवागमन का आश्वासन नहीं दिया जा सकता है वहां पीडब्ल्यूडी विद्यार्थियों के लिए कक्षाएं भूतल पर आयोजित की जाती हैं ताकि उन्हें कम -से- कम असुविधा हो । दिव्यांग विद्यार्थियों की सुगम आवाजाही के लिए दो सक्रिय लिफ्ट भी हैं।

लिफ्ट

सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और विशेष रूप से पीडब्ल्यूडी विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय ने परिसर के अंदर दो लिफ्टों की स्थापना और उद्घाटन किया है।

बैंक

महाविद्यालय में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की एक शाखा है जिसमें एटीएम सुविधा भी है जो कर्मचारियों और विद्यार्थियों की सभी बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा करती है।

कैंटीन

महाविद्यालय परिसर में एक विशाल वातानुकूलित कैंटीन है, जहाँ उत्तम अल्पाहार और खानपान की वस्तुएं उचित दर पर उपलब्ध हैं।

खेल का मैदान

महाविद्यालय खेल के प्रति इच्छुक विद्यार्थियों के लिए इनडोर और आउटडोर दोनों स्तर पर व्यापक अवसर प्रदान करता है। विशेषज्ञ मार्गदर्शन के अलावा, क्रिकेट, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, हैंडबॉल, फुटबॉल, टेबल टेनिस, हॉकी के साथ-साथ एथलेटिक्स और जूडो के लिए भी सुविधाएं मौजूद हैं। महाविद्यालय के विद्यार्थी को इन गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है।

कर्मचारी परिषद समितियाँ 2024-25

कर्मचारी परिषद सभापति: प्रो. नचिकेता सिंह

कर्मचारी परिषद सचिव: डॉ. भारती

शैक्षणिक योजना समिति
प्राचार्य, संयोजक
सभी प्रभारी शिक्षक सदस्य

पुस्तकालय समिति
प्रोफेसर सुमित्रा (संयोजिका)
सभी प्रभारी शिक्षक सदस्य

स्टूडेंट ऑफ द ईयर चयन समिति
- डॉ. संध्या वर्मा, संयोजिका
- प्रो. सरिता
- डॉ. कुसुम देवी
- डॉ. अश्वनी जस्सल
- डॉ. डी. एन. सिंह
- डॉ. रोली रघुवंशी
- सुश्री दीपिका जजोरिया
- डॉ. रेखा कश्यप

उपस्थिति निगरानी समिति
- डॉ. अमरेन्द्र कुमार सिंह, संयोजक
- प्रो. अनिल कुमार राय
- श्री कमलेश अत्री
- डॉ. मनु उमेश
- डॉ. स्तुति गुप्ता
- डॉ. सुरेश कुमार
- डॉ. भारती
- सुश्री इला भूषण जैन

व्यावसायिक नैतिकता समिति
- प्रो. अर्चना उपाध्याय, संयोजिका
- डॉ. सुनीता खुराना
- डॉ. सुरभि बधवार
- डॉ. अशोक कुमार
- डॉ. अनिल कुमार
- श्री अनिल कुमार सिंह
- श्री कमलेश अत्री
- डॉ. इरा भारद्वाज

समय सारणी समिति
डॉ. भारती , संयोजक
सभी प्रभारी शिक्षक सदस्य

रैगिंग विरोधी एवं अनुशासन समिति
- डॉ. अनिल कुमार सिंह, संयोजक
- डॉ. अमरेन्द्र कुमार सिंह
- श्री कमलेश अत्री
- डॉ. मनु उमेश
- डॉ. सुनीता खुराना
- डॉ. सुरभि बधवार
- डॉ. अनिल कुमार
- डॉ. मनोज कुमार (राज-विज्ञान)
- डॉ. रेखा कश्यप
- सुश्री अंजू बाला
- डॉ. मेघा जैन
- डॉ. सारिका त्यागी
- सुश्री दीपिका जजोरिया

शुल्क युक्तिकरण समिति
- सुश्री इला भूषण जैन, संयोजिका
- प्रो फेसर अनिल कुमार राय
- प्रो. आदित्य पी. त्रिपाठी
- प्रो. रितेश भारद्वाज
- डॉ. अमित सिंह
- डॉ. स्तुति गुप्ता
- डॉ. भारती
- श्री पवन कुमार भूरा
- डॉ. रामरूप मीना
- श्री मनोज कुमार (अर्थशास्त्र विभाग)

समान अवसर प्रकोष्ठ:
- श्री पवन कुमार भूरा, संयोजक
- प्रो. सुमित्रा
- डॉ. सुरभि बधवार
- डॉ. रामरूप मीना
- डॉ. मनोज कुमार (राजनीति विज्ञान विभाग)
- डॉ. रेखा कश्यप

पूर्व छात्र समिति

- डॉ. एंजेला गैंगमेई, संयोजिका
- डॉ. मनु उमेश
- डॉ. नेहखोलेन हॉकिप
- डॉ. मनोज कुमार (राजनीति विज्ञान विभाग)
- सुश्री एस. श्रुति
- श्री गजेंद्र
- श्री रजत चौधरी
- श्री अंकुर छाबड़ा
- डॉ. रेखा कश्यप
- डॉ. करण गुप्ता
- डॉ. रोली रघुवंशी

संगोष्ठी समिति

- डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी,संयोजक
- प्रो. अनिल कुमार राय
- डॉ. सुरभि बधवार
- प्रो. आदित्य पी. त्रिपाठी
- प्रो. रितेश भारद्वाज
- डॉ. संदीप कुमार यादव
- डॉ. अमित सिंह
- डॉ. कुसुम देवी
- डॉ. मनु उमेश
- डॉ. भारती
- श्री अनिल कुमार सिंह
- डॉ. दीपिका वर्मा
- श्री रजत चौधरी
- डॉ. शैलेन्द्र एम. सिंह
- डॉ. रेखा कश्यप
- डॉ. रोली रघुवंशी
- डॉ. वत्सल सिंह
- सुश्री सोनिया सिंह

वित्तीय सहायता समिति

- प्रो. रितेश भारद्वाज, संयोजक
- प्रो. आदित्य पी. त्रिपाठी
- डॉ. अनिल कुमार
- सुश्री इला भूषण जैन
- डॉ. नेहखोलेन हॉकिप
- डॉ. डी. एन. सिंह
- डॉ. इरा भारद्वाज

गांधी अध्ययन केंद्र

- डॉ. अमित सिंह, संयोजक
- डॉ. सुनीता खुराना
- सुश्री इला भूषण जैन
- डॉ. संदीप कुमार यादव
- डॉ. रामरूप मीना
- डॉ. सारिका त्यागी
- सुश्री अंजू बाला

जाति भेदभाव के विरुद्ध शिकायतें समिति

- डॉ. सुरेश कुमार, संयोजक
- डॉ. अनिल कुमार
- श्री अनिल कुमार सिंह
- डॉ. कुसुम देवी
- डॉ. भारती
- डॉ. संदीप कुमार यादव
- डॉ. राजेंद्र कुमार
- डॉ. अशोक कुमार
- श्री अंकुर छाबड़ा

फ़ोटोग्राफ़ी एवं फ़िल्म मेकिंग सोसायटी (पिकोहोलिक्स)

- डॉ. रामरूप मीना, संयोजक
- डॉ. मनु उमेश
- डॉ. संदीप कुमार यादव
- डॉ. रीनू गुप्ता
- श्री पवन कुमार भूरा
- प्रो. सरिता
- डॉ. सुरभि बधवार
- डॉ. करण गुप्ता
- सुश्री अंजू बाला
- डॉ. रेखा कश्यप
- सुश्री दीपिका जजोरिया

प्लेसमेंट सेल

- श्री सुरेंद्र कुमार शर्मा, संयोजक
- श्री अजय गुप्ता
- श्री अनिल कुमार सिंह
- डॉ. नेहखोलेन हॉकिप
- डॉ. रामरूप मीना
- डॉ. करण गुप्ता
- सुश्री सोनिया सिंह
- सुश्री दीपिका जजोरिया
- डॉ. रेखा कश्यप

इको-क्लब

- डॉ. संदीप कुमार यादव, संयोजक
- डॉ. अमरेन्द्र कुमार सिंह
- डॉ. रामरूप मीना
- लेफ्टिनेंट (डॉ.) अनिल कुमार
- डॉ. अशोक कुमार
- डॉ. सुरेश कुमार
- डॉ. अमित सिंह
- डॉ. कुसुम देवी
- डॉ. मनोज कुमार (राजनीति विज्ञान विभाग)
- श्री मनोज कुमार (अर्थशास्त्र विभाग)
- सुश्री दीपिका जजोरिया

पीएफ निवेश समिति

- डॉ. सुनीता खुराना, संयोजिका
- प्रो. अर्चना उपाध्याय
- प्रो. सुमित्रा
- प्रो. अनिल कुमार राय
- डॉ. सुरभि बधवार
- डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी
- डॉ. संध्या वर्मा

विकास समिति

- प्रो. कुमार प्रशांत, संयोजक
- श्री अजय गुप्ता
- श्री सुरेंद्र कुमार शर्मा
- डॉ. मनोज कुमार (राजनीति विज्ञान विभाग)
- डॉ. संजीव कुमार शर्मा

कौशल विकास समिति

- प्रो. आदित्य पी. त्रिपाठी, संयोजक
- डॉ. प्रमोद कुमार
- सुश्री इला भूषण जैन
- प्रो. रितेश भारद्वाज
- डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी
- श्री पवन कुमार भूरा
- डॉ. रामरूप मीना
- डॉ. संजीव कुमार शर्मा
- डॉ. इरा भारद्वाज

कला, नाटक एवं संस्कृति समिति

- डॉ. अश्वनी जस्सल, संयोजक
- प्रो. आदित्य पी. त्रिपाठी
- प्रो. रितेश भारद्वाज
- डॉ. संध्या वर्मा
- डॉ. संजीव कुमार शर्मा
- श्री रजत चौधरी
- सुश्री सोनिया सिंह
- डॉ. सारिका त्यागी
- डॉ. वत्सल सिंह
- डॉ. रोली रघुवंशी

प्रॉस्पेक्टस समिति

- डॉ. स्तुति गुप्ता, संयोजिका
- डॉ. भारती
- सुश्री इला भूषण जैन
- डॉ. वत्सल सिंह
- डॉ. संजीव कुमार शर्मा
- श्री मनोज कुमार (अर्थशास्त्र विभाग)
- डॉ. रामरूप मीना

आंतरिक मूल्यांकन एवं परीक्षा समिति

- प्रो. अनिल कुमार राय, संयोजक
- डॉ. सुरभि बधवार
- डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी
- डॉ. प्रीति शुक्ला
- श्री अनिल कुमार सिंह
- श्री कमलेश अत्री
- डॉ. वत्सल सिंह

क्रय समिति

- डॉ. प्रमोद कुमार, संयोजक
- प्रो. आदित्य पी. त्रिपाठी
- प्रो. रितेश भारद्वाज
- डॉ. रीनू गुप्ता
- डॉ. संजीव कुमार शर्मा

खेल, कॉमन रूम और योग समिति

- डॉ. अशोक कुमार, संयोजक
- प्रो. कुमार प्रशांत
- डॉ. अमित सिंह
- श्री कमलेश अत्री
- डॉ. वत्सल सिंह
- डॉ. सारिका त्यागी

मणिकर्णिका उद्यान समिति

- डॉ. संजीव कुमार शर्मा, संयोजक
- डॉ. अमित सिंह
- डॉ. प्रीति शुक्ला
- डॉ. मनु उमेश
- डॉ. दीपिका वर्मा
- डॉ. संध्या वर्मा
- डॉ. मनोज कुमार (राजनीति विज्ञान विभाग)
- श्री गजेंद्र
- डॉ. इरा भारद्वाज
- डॉ. रेखा कश्यप
- सुश्री अंजू बाला

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और वेबसाइट समिति

- डॉ. नेहखोलेन हॉकिप, संयोजक
- डॉ. मनु उमेश
- डॉ. सुरभि बधवार
- श्री कमलेश अत्री
- डॉ. करण गुप्ता
- श्री टेक चंद
- श्री संजय कुमार शर्मा

एनसीसी
लेफ्टिनेंट (डॉ.) अनिल कुमार

डब्ल्यू.यू.एस. एवं स्वास्थ्य जागरूकता समिति
- श्री रजत चौधरी, संयोजक
- डॉ. दीपिका वर्मा
- डॉ. संध्या वर्मा
- डॉ. एंजेला गैंगमेई
- श्री गजेंद्र
- सुश्री अंजू बाला

छात्र सलाहकार समिति
- श्री कमलेश अत्री, संयोजक
- डॉ. अनिल कुमार
- डॉ. अमरेन्द्र कुमार सिंह
- श्री अनिल कुमार सिंह
- डॉ. मनु उमेश
- डॉ. सुरेश कुमार
- डॉ. भारती
- डॉ. सुरभि बधवार
- डॉ. डी. एन. सिंह
- डॉ. राजेंद्र कुमार

विकसित भारत@2047 समिति
- श्री अजय गुप्ता, संयोजक
- श्री सुरेंद्र कुमार शर्मा
- डॉ. नेहखोलेन हॉकिप
- सुश्री एस. श्रुति
- डॉ. करण गुप्ता
- सुश्री दीपिका जजोरिया
- श्री मनोज कुमार (अर्थशास्त्र विभाग)
- डॉ. रेखा कश्यप

राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) समिति
- डॉ. मनु उमेश, संयोजक
- डॉ. प्रमोद कुमार
- प्रो. आदित्य पी. त्रिपाठी
- डॉ. स्तुति गुप्ता
- डॉ. पवन कुमार भूरा
- डॉ. राजेंद्र कुमार
- डॉ. सुरेश कुमार

एनएसएस समिति
- श्री गजेन्द्र, संयोजक
- सुश्री एस. श्रुति
- डॉ. संध्या वर्मा
- सुश्री सोनिया सिंह
- सुश्री अंजू बाला
- डॉ. एंजेला गैंगमेई
- डॉ. संजीव कुमार शर्मा
- श्री रजत चौधरी

पत्रिका समिति
- डॉ. सुनीता सक्सैना, संयोजिका
- डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी
- डॉ. सारिका त्यागी
- डॉ. मेघा जैन

वाद-विवाद समिति
- डॉ. कुसुम देवी, संयोजिका
- डॉ. सुरभि बधवार
- डॉ. संध्या वर्मा
- डॉ. करण गुप्ता
- डॉ. मेघा जैन

अम्बेडकर अध्ययन केंद्र
- डॉ. मनोज कुमार (राजनीति विज्ञान विभाग), संयोजक
- प्रो. कुमार प्रशांत
- डॉ. सुरभि बधवार
- डॉ. सुरेश कुमार
- डॉ. राजेंद्र कुमार
- डॉ. रामरूप मीना
- डॉ. संदीप कुमार यादव
- डॉ. एंजेला गैंगमेई
- सुश्री एस. श्रुति
- श्री गजेंद्र
- सुश्री सोनिया सिंह
- डॉ. रामगति सिंह
- सुश्री दीपिका जजोरिया
- डॉ. रेखा कश्यप
- सुश्री अंजू बाला

वार्षिक रिपोर्ट समिति
- प्रो. सरिता, संयोजिका
- डॉ. कुसुम देवी
- डॉ. रामरूप मीना
- डॉ. मेघा जैन
- सुश्री अंजू बाला
- डॉ. करण गुप्ता

SHYAM

PHOTOGRAPHY & DEMOCRACY

मणिकर्णिका (रानी लक्ष्मीबाई)
उद्यान
श्यामलाल महाविद्यालय (सांध्य)
दिल्ली विश्वविद्यालय

खण्ड- II

प्रवेश-प्रक्रिया 2024-25

प्रवेश समितियाँ 2024-25

	संयोजक	संपर्क संख्या	ईमेल
संयोजक, प्रवेश समिति	डॉ. मनु उमेश, संयोजक	9213232131	mumesh@shyamlale.du.ac.in
संयोजक, छात्र हेल्पडेस्क	डॉ. मनोज कुमार (राज.विज्ञान)	9899657655	mkumar@shyamlale.du.ac.in
संयोजक, जाति प्रमाण-पत्र सत्यापन समिति	एससी- सुश्री सोनिया सिंह ओबीसी- डॉ. संध्या वर्मा पीडब्ल्यूडी- श्री पवन कुमार भूरा ईडब्ल्यूएस- डॉ. एस. एम. सिंह	9540512809 9560167758 8802296741 9971633345	ssingh@shyamlale.du.ac.in sverma@shyamlale.du.ac.in pkbhura@shyamlale.du.ac.in smsingh@shyamlale.du.ac.in
संयोजक, छात्र शिकायत निवारण समिति	डॉ. एंजेला गैंगमेई	9582677127	agangmei@shyamlale.du.ac.in

केंद्रीय प्रवेश समिति

- डॉ. मनु उमेश, संयोजक
- डॉ. प्रमोद कुमार
- प्रो. कुमार प्रशांत
- डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी
- प्रो.आदित्य पी.त्रिपाठी

छात्र हेल्पडेस्क समिति

डॉ. मनोज कुमार (राज.विज्ञान),संयोजक
सुश्री एस. श्रुति
डॉ. राम गति सिंह
सुश्री दीपिका जाजोरिया
डॉ. एंजेला गैंगमेई
सुश्री अंजू बाला
डॉ. रेखा कश्यप

प्रवेश हेतु छात्र शिकायत निवारण समिति

डॉ. एंजेला गंगमेई, संयोजिका
डॉ. नेहखोलेन हॉकिप
डॉ. मनोज कुमार (राज.विज्ञान)
सुश्री एस. श्रुति
डॉ. संजीव कुमार. शर्मा
श्री रजत चौधरी
श्री अंकुर छाबड़ा
डॉ. रेखा कश्यप
डॉ. करण गुप्ता
डॉ. रोली रघुवंशी

प्रवेश समितियां 2024-25
प्रोग्राम पाठ्यक्रम प्रवेश समिति

बी. ए. प्रोग्राम समिति

सुश्री एस. श्रुति, संयोजिका
डॉ. मनोज कुमार (राज.विज्ञान)
डॉ. एंजेला गैंगमेई
डॉ. संजीव कुमार. शर्मा
श्री गजेंद्र
सुश्री सोनिया सिंह
डॉ. करण गुप्ता
डॉ. मेघा जैन
सुश्री अंजू बाला
सुश्री दीपिका जाजोरिया
डॉ. वत्सल सिंह
डॉ. सारिका त्यागी

बी. कॉम. प्रोग्राम

श्री कमलेश अत्री, संयोजक

ऑनर्स पाठ्यक्रम प्रवेश समिति

बी. कॉम. (ऑनर्स)
डॉ. अनिल कुमार, संयोजक

बी. ए. (ऑनर्स) हिंदी
प्रो. सुमित्रा, संयोजिका

बी. ए. (ऑनर्स) अर्थशास्त्र
डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह, संयोजक

बी. ए. (ऑनर्स) राजनीति विज्ञान
प्रो. ऋतेश भारद्वाज, संयोजक

खेलकूद प्रवेश समिति

डॉ. अशोक कुमार, संयोजक
लेफ्ट. (डॉ.) अनिल कुमार
डॉ. सुरेश कुमार
श्री अनिल कुमार सिंह
श्री सुरेंद्र कुमार शर्मा
डॉ. रोली रघुवंशी

ईसीए प्रवेश समिति

डॉ. अश्वनी जस्सल, संयोजक
डॉ. डी. एन. सिंह
डॉ संध्या वर्मा
डॉ. संजीव कुमार शर्मा
श्री रजत चौधरी
सुश्री सोनिया सिंह
डॉ. सारिका त्यागी
डॉ. वत्सल सिंह
डॉ. रोली रघुवंशी

प्रवेश समितियां 2024-25
प्रवेश हेतु प्रमाणपत्र सत्यापन

एससी/एसटी प्रमाण-पत्र सत्यापन समिति

सुश्री सोनिया सिंह, संयोजिका
डॉ. नेहखोलेन हॉकिप
डॉ. एंजेला गैंगमेई
सुश्री ईरा भारद्वाज
सुश्री दीपिका जाजोरिया
डॉ. मनोज कुमार (राज-विज्ञान)

ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र सत्यापन समिति

डॉ. एस. एम. सिंह (संयोजक)
डॉ. प्रमोद कुमार
डॉ. रोली रघुवंशी
डॉ. अंकुर छाबरा

ओबीसी प्रमाण-पत्र सत्यापन समिति

डॉ. संध्या वर्मा, संयोजिका
डॉ. भारती
डॉ. स्तुति गुप्ता
डॉ. दीपिका वर्मा
डॉ. संजीव कुमार शर्मा
डॉ. सारिका त्यागी
श्री टेक चंद
डॉ. रोली रघुवंशी
सुश्री अंजू बाला
श्री मनोज कुमार (अर्थशास्त्र)
डॉ वत्सल सिंह

पीडब्ल्यूडी प्रमाण-पत्र सत्यापन समिति

श्री पवन कुमार भूरा (संयोजक)
डॉ. रेखा कश्यप
डॉ. टेक चंद
डॉ. रोली रघुवंशी
डॉ. करण गुप्ता
श्री मनोज कुमार (अर्थशास्त्र)
सुश्री सोनिया सिंह
डॉ. सारिका त्यागी
डॉ. मेघा जैन

सीट-आरक्षण
(अनुसूचित जाति/जनजाति के विद्यार्थियों हेतु)

- कुल सीटों का 22.5% अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित है।अनुसूचित जाति के लिए 15% और अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5%, यदि आवश्यक हो तो परस्पर परिवर्तनीय)
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातीय अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित सभी स्थान भरना महाविद्यालय के विभागों का वैधानिक दायित्व है।
- महाविद्यालय शिक्षा के माध्यम के आधार पर किसी भी एससी/एसटी अभ्यर्थी को प्रवेश देने से इनकार नहीं करेंगे। किसी विशेष भाषा के ज्ञान में किसी भी प्रकार की कमी के समाधान हेतु महाविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से उपलब्ध अनुदान का उपयोग करके सुधारात्मक कक्षाओं की व्यवस्था की जा सकती है।
- अनुसूचित जाति/जनजाति के अभ्यर्थियों को संबंधित पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उनकी पात्रता और योग्यता निर्धारित करने के लिए न्यूनतम अर्हता में 5% की छूट दी जाएगी।
- यदि 5% छूट देने के बाद भी आरक्षित सीटें खाली रह जाती हैं, तो सभी आरक्षित सीटों को भरने के लिए आवश्यक सीमा तक और छूट दी जाएगी। (ए. सी. प्रस्ताव A88, 14.6.1983) (ई. सी. प्रस्ताव 157. 24.12.2001)। सभी महाविद्यालयों/विभागों को एससी/एसटी अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित सभी सीटें भरना अनिवार्य है। ऐसी स्थिति में पात्रता उत्तीर्ण प्रतिशत पर निर्धारित होगी।

एससी/एसटी प्रमाण-पत्र निर्गत करने हेतु निम्नांकित पदाधिकारी अधिकृत हैं:

1. जिला दंडाधिकारी/अपर जिला दंडाधिकारी/समाहर्त्ता/उपायुक्त/अपर उपायुक्त/उप समाहर्त्ता/प्रथम श्रेणी का वैतनिक दंडाधिकारी/नगर दंडाधिकारी/अनुमंडल दंडाधिकारी/तहसील दंडाधिकारी/कार्यपालक दंडाधिकारी/अतिरिक्त सहायक आयुक्त।
2. मुख्य प्रेसिडेंसी दंडाधिकारी/अपर मुख्य दंडाधिकारी/प्रेसिडेंसी दंडाधिकारी।
3. राजस्व पदाधिकारी जो तहसीलदार से न्यून न हो।
4. अनुमंडल पदाधिकारी, उस क्षेत्र का जहाँ अभ्यर्थी और/अथवा उसका परिवार सामान्यतः रहता है।
5. प्रशासक/प्रशासक के सचिव/विकास अधिकारी (लक्षद्वीप समूह)

अभ्यर्थी को ध्यान देना चाहिए कि किसी भी अन्य व्यक्ति/प्राधिकरण से एससी/एसटी प्रमाण-पत्र किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि आवेदक अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित है, तो आवेदक की जाति/जनजाति भारत सरकार की उपयुक्त सूची में सूचीबद्ध होनी चाहिए।

जाति प्रमाण पत्र में स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट होना चाहिए: (क) अभ्यर्थी की जाति/जनजाति का नाम (ख) यदि वह अनुसूचित जाति/जनजाति से संबंधित है (ग) सामान्य निवास स्थान का जिला और राज्य या केंद्र शासित प्रदेश और (घ) भारत सरकार की उपयुक्त अनुसूची जिसके तहत उसकी जाति/जनजाति को एससी और एसटी के रूप में अनुमोदित किया गया है।
यदि अभ्यर्थी के पास पंजीकरण के समय एससी या एसटी जाति/जनजाति का प्रमाण-पत्र न हो तो वह प्रमाण-पत्र हेतु किए गए आवेदन का पावती पत्र अपलोड कर सकता है। लेकिन नामांकन के समय उसे वैध एससी/ एसटी जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।
हालांकि, यदि कोई एससी/एसटी अभ्यर्थी किसी अन्य श्रेणी (उदाहरण के लिए: पीडब्ल्यूडी/कर्मचारी वार्ड आदि) के तहत प्रवेश चाहता है, तो उसे उस विशेष श्रेणी के लिए न्यूनतम पात्रता की आवश्यकता को पूरा करना होगा।
टिप्पणी: ओपन मेरिट (अनारक्षित) के तहत प्रवेश पाने वाले एससी/एसटी आवेदकों को आरक्षित कोटा, जोकि 22.5% (एससी और एसटी के लिए क्रमशः 15% और 7.5%) है, में शामिल नहीं किया जाएगा।

सभी महाविद्यालयों/विभागों को एससी/एसटी अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित सभी सीटें भरना अनिवार्य है। इन मामलों में न्यूनतम पात्रता उत्तीर्ण प्रतिशत है।

अन्य पिछडे वर्ग के विद्यार्थी
(ओबीसी, नॉन-क्रीमी लेयर, केंद्रीय सूची)

- 27% सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) (नॉन-क्रीमी लेयर, केंद्रीय सूची) से संबंधित अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित होंगी।

- ओबीसी अभ्यर्थी को प्रवेश देते समय, महाविद्यालय यह सुनिश्चित करेगा कि जाति ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल है अथवा नहीं (ओबीसी दर्जा वेबसाइट http://ncbc.nic.in/backwardclasess/index.html. पर उपलब्ध राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग की अनुशंसा पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ओबीसी की केंद्रीय (भारत सरकार) सूची के आधार पर निर्धारित किया जाना है)। ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर प्रमाण-पत्र जारी करने हेतु पदाधिकारी एससी/एसटी के समान ही हैं।

- प्रमाण-पत्र में अभ्यर्थी की नॉन-क्रीमी लेयर स्थिति का उल्लेख होना चाहिए (डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36012/22/93-स्था. (एससीटी) दिनांक 15.11.1993 में उल्लिखित प्राधिकारी द्वारा जारी नॉन-क्रीमी लेयर स्थिति)
- केवल वही ओबीसी अभ्यर्थी ओबीसी वर्ग के अधीन नामांकन के लिए विचारणीय होंगे जो "नॉन-क्रीमी लेयर" के होंगे और जिनकी जाति ओबीसी की केंद्रीय सूची में है (डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 360306/2013- स्था. दिनांक 31 मार्च 2016 आवेदक की नॉन-क्रीमी लेयर की स्थिति के संबंध में ओबीसी प्रमाण-पत्र की वैधता अवधि)। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, 31 March, 2024 के बाद जारी नॉन-क्रीमी लेयर प्रमाण-पत्र वैध होगा।

- यदि पंजीकरण के समय अभ्यर्थी के पास नवीनतम वित्तीय वर्ष (2024-25) का ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर प्रमाण-पत्र नहीं हो, तो वह पुराना ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर प्रमाण-पत्र/आवेदन का पावती पत्र अपलोड कर सकता है। लेकिन नामांकन के समय उसे उसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी हालिया वित्तीय वर्ष (2024-25) का ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। इस अतिरिक्त प्रमाण पत्र में अभ्यर्थी के पहले से जारी मूल जाति प्रमाण-पत्र का संदर्भ होना चाहिए।

- अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को उक्त पाठ्यक्रम के लिए तय न्यूनतम अर्हता में 10% की छूट दी जाएगी और प्रवेश परीक्षा के लिए सामान्य/यूआर श्रेणी के आवेदकों के लिए निर्धारित न्यूनतम अर्हता में 10% की छूट दी जाएगी।

- ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित सभी सीटें भरना महाविद्यालयों का वैधानिक दायित्व है।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थी (ईडब्ल्यूएस)

दिल्ली विश्वविद्यालय की अधिसूचना के अनुसार, संदर्भ संख्या Aca.I/Reservation of EWSs/2019/63 दिनांक 28 मार्च 2019 और संदर्भ संख्या Aca.I/Reservation of EWSs/2019/101 दिनांक 15 मई 2019, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) श्रेणी के आरक्षण के लिए, विश्वविद्यालय विभागों/केंद्रों/महाविद्यालयों ने इस शैक्षणिक वर्ष, 2024-25 के लिए प्रवेश के लिए 10% सीटें आरक्षित की हैं। ऐसे अभ्यर्थियों की पात्रता उपरोक्त अधिसूचनाओं में निर्धारित मानदंडों को पूरा करने और परिशिष्ट V में दिए गए प्रारूप में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दस्तावेजों को जमा करने के आधार पर तय की जाएगी।

सशस्त्र बल कर्मियों के बच्चे एवं विधवाएं (सीडबल्यू)

सभी महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम के अनुसार इस श्रेणी के आवेदकों के लिए पांच प्रतिशत (5%) सीटें आरक्षित हैं।
ऐसे सभी अभ्यर्थियों को निम्नलिखित में से किसी भी प्राधिकारी द्वारा उचित सरनाम पर जारी किए जाने वाले संलग्न प्रारूप नमूने में शैक्षिक रियायत प्रमाण-पत्र अपलोड करना होगा:

1. सचिव, केंद्रीय सैनिक बोर्ड, दिल्ली
2. सचिव, राज्य जिला सैनिक बोर्ड
3. प्रभारी अधिकारी, अभिलेख कार्यालय
4. प्रथम श्रेणी वैतनिक दंडाधिकारी
5. गृह मंत्रालय (वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले पुलिसकर्मियों हेतु)

कश्मीरी प्रवासी (अतिरिक्त सीटें)

1. यदि कश्मीरी प्रवासियों के बच्चे (बेटे/बेटियाँ) विश्वविद्यालय के विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हैं तो उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित कार्यक्रम के अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा।
2. कश्मीरी प्रवासियों के बच्चों के लिए सभी महाविद्यालयों में पाठ्यक्रम के अनुसार 5% तक सीटें आरक्षित हैं।
3. ऐसे अभ्यर्थियों को कश्मीरी प्रवासी के रूप में मंडलायुक्त/राहत आयुक्त द्वारा जारी किया गया पंजीकरण प्रमाण-पत्र अपलोड करना होगा।

जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना

जम्मू-कश्मीर के लिए प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवार छात्रों को CUET (UG) - 2024 में उपस्थित होना होगा।

सिक्किम के विद्यार्थियों के लिए सीटों का नामांकन

सिक्किम सरकार द्वारा नामित योजना के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET (UG) - 2024 में उपस्थित होना होगा।

सिक्किम सरकार द्वारा नामित सिक्किम के छात्रों को विश्वविद्यालय के उन कॉलेजों में प्रवेश के लिए विचार किया जाएगा जहां छात्रावास की सुविधाएँ उपलब्ध हैं । (एसी संकल्प 51 दिनांक 05/06/1980 और 122 दिनांक 17/12/1990)।

प्रवेश और छात्रावास की व्यवस्था का आवंटन वाइस- चांसलर अपने विवेक अनुसार करेंगे । इन नामित सीटों की संख्या नीचे दी गई है:

कार्यक्रम	सीटें
बी. ए. प्रोग्राम	3
बी. ए. (ऑनर्स)	1
बी.कॉम. (ऑनर्स)	2
बी.कॉम.	4
बी.एससी. भौतिक विज्ञान/अनुप्रयुक्त भौतिक विज्ञान	2
बी.एससी. जीव विज्ञान/अनुप्रयुक्त जीव विज्ञान	2

दिल्ली विश्वविद्यालय कर्मचारियों का वार्ड कोटा (डब्ल्यूक्यू)

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के वार्ड कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) में - 2024 में उपस्थित होना होगा।
विश्वविद्यालय और उसके कॉलेज के शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के बच्चों को अकादमिक परिषद के संकल्प 9 ए और बी दिनांक 27.11.2020 और उसके बाद के संशोधनों के अनुसार प्रवेश दिया जाएगा । पंजीकरण के समय उम्मीदवारों के पास उचित अधिकारियों द्वारा जारी वैध रोजगार प्रमाण -पत्र होना चाहिए।

केवल पंजीकरण के समय अपलोड किए गए रोजगार प्रमाण-पत्र पर ही विचार किया जाएगा। आई-कार्ड, आधार कार्ड और/या अन्य कोई दस्तावेज़ स्वीकार नहीं किया जाएगा । प्रत्येक कॉलेज के लिए वार्ड कोटा के तहत प्रवेश तीन कार्यक्रम समूहों में निर्धारित किया जाएगा यथा - मानविकी, वाणिज्य एवं विज्ञान। आवंटन महाविद्यालय/विभाग में प्रस्तावित कार्यक्रमों की संख्या पर भी निर्भर करेगा ।
कॉलेज/विभाग. वार्ड कोटा का आवंटन कार्यक्रम समूहों में उम्मीदवारों के योग्यता अंकों के आधार पर होगा ।

वार्ड कोटा के तहत शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक के लिए आवंटित की गईं सीटों में विनिमेय नहीं होगा। हालाँकि, अधिकतम लाभ के लिए कार्यक्रम समूहों के भीतर आवंटन पर विचार किया जा सकता है। क्लस्टर-आधारित योग्यता का पता लगाने के लिए CUET स्कोर में उचित अनुपातिकता की जा सकती है।

अनाथ कोटा (OQ)

अनाथों के लिए अतिरिक्त कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) 2024 में उपस्थित होना होगा। दिल्ली विश्वविद्यालय, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के अध्ययन के प्रत्येक कार्यक्रम में दो उम्मीदवारों (एक पुरुष और एक महिला) को प्रवेश देगा । ये दोनों सीटें सुपरन्यूमेररी होंगी ।

विश्वविद्यालय की परिषद द्वारा संकल्प लिया गया कि ऐसे छात्रों के प्रवेश और पढ़ाई जारी रखने पर होने वाला खर्च विश्वविद्यालय या उसके कॉलेजों को (जैसा भी मामला हो) विश्वविद्यालय कल्याण निधि या कॉलेज छात्र कल्याण निधि से पूरा किया जाएगा ।
एक उम्मीदवार जो अनाथ कोटा के तहत प्रवेश लेना चाहता है, उसके पास सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अनाथालय/धर्मार्थ गृह या माता-पिता दोनों का मृत्यु प्रमाण-पत्र होना चाहिए। ।
विश्वविद्यालय अधिसूचना संख्या Acad.I/Orfan Quota/2024-25/10 दिनांक 16 जनवरी, 2024 के अनुसार - अनाथ कोटा के तहत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रवेश चाहने वाले अभ्यर्थी निम्नलिखित शुल्क का भुगतान करें:-

1. प्रवेश शुल्क - रु. 10.00
2. परीक्षा शुल्क - रु. 10.00
3. छात्रावास शुल्क - रु. 10.00

छात्रावास आवास का लाभ उठाने वाले छात्रों को वास्तविक के अनुसार मेस शुल्क का भुगतान करना होगा।

पाठ्येतर गतिविधियाँ (ईसीए) और खेल कोटा

ईसीए और स्पोर्ट्स के लिए अतिरिक्त कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी-2024 में उपस्थित होना होगा।
ईसीए और खेल कोटा की अतिरिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए सीयूईटी स्कोर को 25% और प्रमाण-पत्र/परीक्षण/प्रदर्शन को 75% का वेटेज दिया जाएगा।

***** इस सूचना प्रपत्र में उल्लेखित आरक्षण संबंधी प्रावधानों के विवरण के प्रसंग में पूर्ण सावधानी बरती गई है। तथापि, किसी भी प्रकार के आरक्षण संबंधी प्रावधानों के प्रसंग में विश्वविद्यालय के नियमों, अधिनियमों, अध्यादेशों और विधियों में निहित सूचना अंतिम मानी जाएगी। इस सूचना प्रपत्र में उपलब्ध विवरण मात्र निर्देशात्मक है और कानूनी उद्देश्य से उनका उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

पाठ्यक्रम और सीटों की संख्या

पाठ्यक्रम: शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए संयोजन और श्रेणी-वार

बी.ए. प्रोग्राम

विषय-1	विषय-2	आवंटित सीट	अनारक्षित	ओबीसी	एससी	एसटी	ईडब्ल्यूएस	पीडब्ल्यूडी	क.प्र.	सीडब्ल्यू	कुल
अंग्रेजी	कंप्यूटर एप्ली.	17	7	5	3	1	2	1	1	1	17
अंग्रेजी	अर्थशास्त्र	17	7	5	3	1	2	1	1	1	17
अंग्रेजी	इतिहास	22	9	6	3	2	2	1	1	1	22
हिंदी	कंप्यूटर एप्ली.	17	7	5	3	1	2	1	1	1	17
हिंदी	अर्थशास्त्र	17	7	5	3	1	2	1	1	1	17
हिंदी	इतिहास	22	9	6	3	2	2	1	1	1	22
कंप्यूटर एप्ली.	गणित	17	7	5	3	1	2	1	1	1	17
कंप्यूटर एप्ली.	राजनीति विज्ञान	18	7	5	3	1	2	1	1	1	18
अर्थशास्त्र	गणित	17	7	5	3	1	2	1	1	1	17
अर्थशास्त्र	राजनीति विज्ञान	18	7	5	3	1	2	1	1	1	18
इतिहास	गणित	12	5	3	2	1	1	1	1	1	12
इतिहास	राजनीति विज्ञान	37	15	10	6	3	4	2	2	2	37
	कुल*	231	94	62	35	17	23	12	12	12	231

बी. ए. (ऑनर्स)

	आवंटित सीट	अनारक्षित	ओबीसी	एससी	एसटी	ईडब्ल्यूएस	पीडब्ल्यूडी	क. प्र.	सीडब्ल्यू	कुल
बी.ए. (ऑ.) अर्थशास्त्र	58	23	16	9	4	6	3	3	3	58
बी.ए. (ऑ.) हिंदी	58	23	16	9	4	6	3	3	3	58
बी.ए. (ऑ.) राजनीति विज्ञान	58	23	16	9	4	6	3	3	3	58

कॉमर्स

	आवंटित सीट	अनारक्षित	ओबीसी	एससी	एसटी	ईडब्ल्यूएस	पीडब्ल्यूडी	क. प्र.	सीडब्ल्यू	कुल
बी. कॉम. प्रोग्राम	231	94	62	35	17	23	12	12	12	231
बी. कॉम. (ऑनर्स)	78	31	21	12	6	8	4	4	4	78

टिप्पणी: कुल सीटों की संख्या में अतिरिक्त सीटें (पीडब्ल्यूडी, कश्मीरी प्रवासी, सीडब्ल्यू) श्रेणियाँ शामिल नहीं हैं।

ईसीए श्रेणी के तहत सीटों की संख्या 2024-25

क्र. सं.	वर्ग	उपश्रेणी	सीटों की संख्या
1	संगीत (गायन)	6a. भारतीय (शास्त्रीय और हल्का)	1
2	नृत्य	2a. भारतीय शास्त्रीय	1
3	एनएसएस	13. एनएसएस	1
4	संगीत (वाद्य: पाश्चात्य)	8d. गिटार (लीड)	1
5	रचनात्मक लेखन	1b. रचनात्मक लेखन (अंग्रेजी)	1
6	थिएटर	9. रंगमंच	1
7	ललित कला	5a. स्केचिंग और पेंटिंग	1
8	संगीत (गायन)	6b. पाश्चात्य (शास्त्रीय और हल्का)	1
9	संगीत (वाद्य: भारतीय)	7a. तबला	1
10	नृत्य	2c. पाश्चात्य	1

खेल श्रेणी के तहत सीटों की संख्या 2024-25

क्र. सं.	खेल का नाम	कुल सीटें	भार वर्ग	सीटें (पुरुष)	सीटें (महिलाएं)
1	कुश्ती:	5+4=9	57 kg	1	1
	फ्रीस्टाइल पुरुष/महिला वजन		65kg	1	1
			70kg	1	--
			72kg	--	1
			74kg	1	--
			76kg	--	1
			79kg	1	--
2	कबड्डी (पुरुष)	7	कॉर्नर	3	
			कवर	3	--
			रेडर	1	--
3	हॉकी (पुरुष)	10	फॉरवर्ड	4	--
			मिलफील्डर	4	--
			फुल बैक	2	--

कॉलेज की कुल प्रवेश क्षमता:	714
ईसीए कोटा के माध्यम से प्रवेश के लिए प्रस्तावित सीटों का प्रतिशत	2%

नामांकन दिशा-निर्देश

शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (स्नातक)- 2024 (सीएसएएस (स्नातक)- 2024) के माध्यम से होगा, जो स्नातक सूचना बुलेटिन – 2024 (यूजी बीओआई-2024) में निर्दिष्ट पात्रता मानकों और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित अन्य नियमों के आधार पर होगा। दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा- स्नातक 2024 (सीयूईटी (स्नातक)- 2024) के आधार पर सीएसएएस (स्नातक) – 2024 पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा।
दिल्ली विश्वविद्यालय की सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (स्नातक) 2024 को तीन चरणों में विभाजित किया गया है:

- चरण I: दिल्ली विश्वविद्यालय में आवेदन करना
- चरण II: कार्यक्रमों और कॉलेजों के लिए प्राथमिकताओं का चयन करना
- चरण III: आवंटन-सह-प्रवेश

स्नातक (यूजी) प्रवेश-2024 के संबंध में अधिसूचना और अद्यतन जानकारी के लिए, कृपया देखें: www.admission.uod.ac.in

	कार्यक्रम-सूची	निर्धारित तिथि और समय
	सीएसएएस चरण I में पूर्व-पंजीकृत उम्मीदवारों हेतु सुधार विंडो	मंगलवार, 30 जुलाई, 2024 से रविवार, 4 अगस्त, 2024, 11:59pm तक
सीएसएएस चरण I और चरण II	सीएसएएस में कार्यक्रमों और कॉलेजों के लिए प्राथमिकता का चयन	बृहस्पतिवार, 1 अगस्त, 2024 से बुधवार, 7 अगस्त, 2024, 11:59pm तक
	सीएसएएस द्वारा प्राथमिकता स्वचालित रूप से लॉक करना	शुक्रवार , 9 अगस्त, 2024, 5:00pm
अस्थाई सूची	अस्थाई सूची की घोषणा	रविवार, 11 अगस्त, 2024, 5:00pm
	प्राथमिकता चयन में सुधार	रविवार, 11 अगस्त, 2024, 5:00pm से सोमवार, 12 अगस्त, 2024, 11:59pm तक
	प्रथम सीएसएएस आवंटन सूची की घोषणा	शुक्रवार , 16 अगस्त, 2024, 5:00pm
सीएसीएस आवंटन और दाखिले का पहला दौर	उम्मीदवारों द्वारा आवंटित सीट 'स्वीकार' करने की तिथि	शुक्रवार , 16 अगस्त, 2024, 5:00pm से रविवार, 18 अगस्त, 2024, 4:59pm तक
	कॉलेजों द्वारा ऑनलाइन आवेदनों को सत्यापित और स्वीकृत करने की तिथि	शुक्रवार , 16 अगस्त, 2024, 5:00pm से मंगलवार, 20 अगस्त, 2024, 4:59pm तक
	उम्मीदवारों द्वारा प्रवेश शुल्क के ऑनलाइन भुगतान की अंतिम तिथि	बुधवार, 21 अगस्त, 2024, 4:59pm तक
सीएसीएस आवंटन और दाखिले का दूसरा दौर	रिक्त पदों की घोषणा	बृहस्पतिवार, 22 अगस्त, 2024, 5:00pm
	उच्चतर वरीयता क्रम में सुधार	बृहस्पतिवार, 22 अगस्त, 2024, 5:00pm से शुक्रवार, 23 अगस्त, 2024, 4:59pm तक
	द्वितीय सीएसएएस आवंटन सूची की घोषणा	रविवार, 25 अगस्त, 2024, 5:00pm
	उम्मीदवारों द्वारा आवंटित सीट 'स्वीकार' करने की तिथि	रविवार, 25 अगस्त, 2024, 5:00pm से मंगलवार, 27 अगस्त, 2024, 4:59pm तक
	कॉलेजों द्वारा ऑनलाइन आवेदनों को सत्यापित और स्वीकृत करने की तिथि	रविवार, 25 अगस्त, 2024, 5:00pm से बृहस्पतिवार, 29 अगस्त, 2024, 4:59pm तक
	उम्मीदवारों द्वारा प्रवेश शुल्क के ऑनलाइन भुगतान की अंतिम तिथि	शुक्रवार, 30 अगस्त, 2024, 4:59pm तक

विश्वविद्यालय रिक्त पदों की उपलब्धता, यदि कोई हो, के आधार पर और अधिक राउंड की घोषणा कर सकता है।

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अंडरग्रेजुएट बुलेटिन ऑफ इंफॉर्मेशन 2024, सीएसएएस 2024 नियम पढ़ें और सभी अपडेट के लिए नियमित रूप से विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर जाएं।

1. सूचना का बुलेटिन (स्नातक) 2024
2. सामान्य सीट आवंटन प्रणाली 2024
3. प्रवेश वेबसाइट: http://admission.uod.ac.in
4. सीएसएएस पंजीकरण लिंक: https://ugadmission.uod.ac.in

शुल्क विवरण

***2024-25*विवरण का शुल्क देय हेतु**		
,हिंदी ,अर्थशास्त्र) (ऑनर्स) .ए.बी ,(ऑनर्स/प्रोग्राम) .कॉम.बी ,(प्रोग्राम) .ए.बी विज्ञान राजनीति)		
.क्र सं.	**विवरण**	
महाविद्यालय) राशि देय)		**वर्ष प्रथम**
1	शुल्क शिक्षण	180.00
2	शुल्क प्रवेश	20.00
3	रिफंडेबल) प्रतिभूति पुस्तकालय)	500.00
4	पत्र परिचय	50.00
5	कक्ष अध्ययन एवं पुस्तकालय	300.00
6	पत्रिका महाविद्यालय	100.00
7	कोष उपादान छात्र	110.00
8	शुल्क जल एवं विद्युत	200.00
9	कोष विकास	2500.00
10	कोष कूद-खेल	750.00
11	संगोष्ठी	300.00
12	विभागीय समितियां	280.00
13	कक्ष सार्वजनिक	100.00
14	महाविद्यालय) संघ छात्र)	350.00
15	समारोह एवं सम्मेलन सामाजिक	500.00
16	कोष स्वच्छता एवं चिकित्सकीय	140.00
17	कोष उद्यान	100.00
18	सी.सी.एन	150.00
19	सुविधाएं सामान्य	500.00
20	रखाव-रख और मरम्मत विद्युत	200.00
21	गतिविधियां सांस्कृतिक और आर्ट्स फाइन	150.00
22	शुल्क व्यवस्था-सुरक्षा	800.00
23	सुविधाएं कंप्यूटर	1000.00
24	सामग्री असाइनमेंट/परीक्षा आंतरिक	70.00
25	शुल्क काउंसलिंग करियर एंड प्लेसमेंट	100.00
26	शुल्क गुणवत्ता	200.00
27	शुल्क विकास कौशल	50.00
28	शुल्क निर्माण फिल्म और फोटोग्राफी	50.00
29	शुल्क क्रियाकलाप बौद्धिक और विवाद वाद	40.00
30	शुल्क पत्रिका महाविद्यालय	20.00
31	क्लब-इको	20.00
32	गांधी अध्ययन केंद्र	20.00
33	अम्बेडकर अध्ययन केंद्र	20.00
34	विकसित भारत@2047	20.00

शुल्क विश्वविद्यालय		
35	शुल्क निबंधन	200
36	एसोसिएशन एथलेटिक	50
37	संघ छात्र विश्वविद्यालय	40
38	एस.यू.डब्ल्यू.	5
39	निधि विकास विश्वविद्यालय	1200
40	परिषद सांस्कृतिक	5
41	एस.एस.एन.	20
42	कोष शोषण लैंगिक	10
43	कोष कल्याण छात्र विश्वविद्यालय	250
44	शुल्क सेवा एवं सुविधाएं विश्वविद्यालय	1250
45	निधि सहायता वर्ग कमजोर से रूप आर्थिक विश्वविद्यालय	200
	कुल	13120.00

नामांकन के समय दस्तावेजों की आवश्यकता

निम्नांकित दस्तावेजों की स्व-सत्यापित प्रति जमा करनी होगी:

1. प्रवेश हेतु आवेदन- पत्र का प्रिंट आउट (प्रवेश पोर्टल पर उपलब्ध)
2. दिल्ली विश्वविद्यालय के पंजीकरण फॉर्म की प्रति
3. दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेज के नाम पर प्रवेश शुल्क रु. 13120/- की रसीद
4. दसवीं कक्षा का अंक प्रमाण-पत्र
5. बारहवीं कक्षा का अंक प्रमाण-पत्र
6. चरित्र प्रमाण-पत्र (प्रवेश तिथि से 6 महीने से अधिक पुराना नहीं)
7. प्रवास प्रमाण-पत्र (उनके लिए जिन्होंने उच्च माध्यमिक परीक्षा दिल्ली से बाहर उत्तीर्ण की है)
8. स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (उनके लिए जिन्होंने उच्च माध्यमिक परीक्षा दिल्ली से बाहर उत्तीर्ण की है)
9. जाति प्रमाण-पत्र (दो प्रतियां, यदि किसी आरक्षित श्रेणी के अंतर्गत दाखिला दिया गया हो)
10. पिछले तीन वर्षों के खेल प्रमाण-पत्र (यदि खेल श्रेणी के तहत प्रवेश दिया गया है)
11. आवंटन पत्र और अधिवास प्रमाण-पत्र (केवल पीएमएसएस के विद्यार्थियों के लिए)
12. माता-पिता के साथ-साथ विद्यार्थी द्वारा विधिवत पूरा किया गया रैगिंग विरोधी प्रतिज्ञा-पत्र। http://www.antiragging.in या http://amanmovement.org से एंटी रैगिंग प्रतिज्ञा पत्र निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।
13. ईसीए श्रेणी के तहत प्रवेश-पर, माता-पिता के साथ-साथ विद्यार्थियों द्वारा भी विधिवत पूरे किए गए प्रतिज्ञा पत्र
14. सफेद पृष्ठभूमि के साथ एक पासपोर्ट आकार के नवीनतम फोटो के साथ परिचय- पत्र का प्रपत्र। निर्धारित रिक्त स्थान के अंदर प्रपत्र में प्रवेश की तारीख और महाविद्यालय रोल नंबर का उल्लेख अवश्य करें। (परिचय- पत्र प्रारूप महाविद्यालय की वेबसाइट www.shyamlale.du.ac.in पर उपलब्ध है)

ORGANIZING PARTNER

GPS Map Camera

खण्ड -III

महाविद्यालय विद्यार्थी प्रकरण

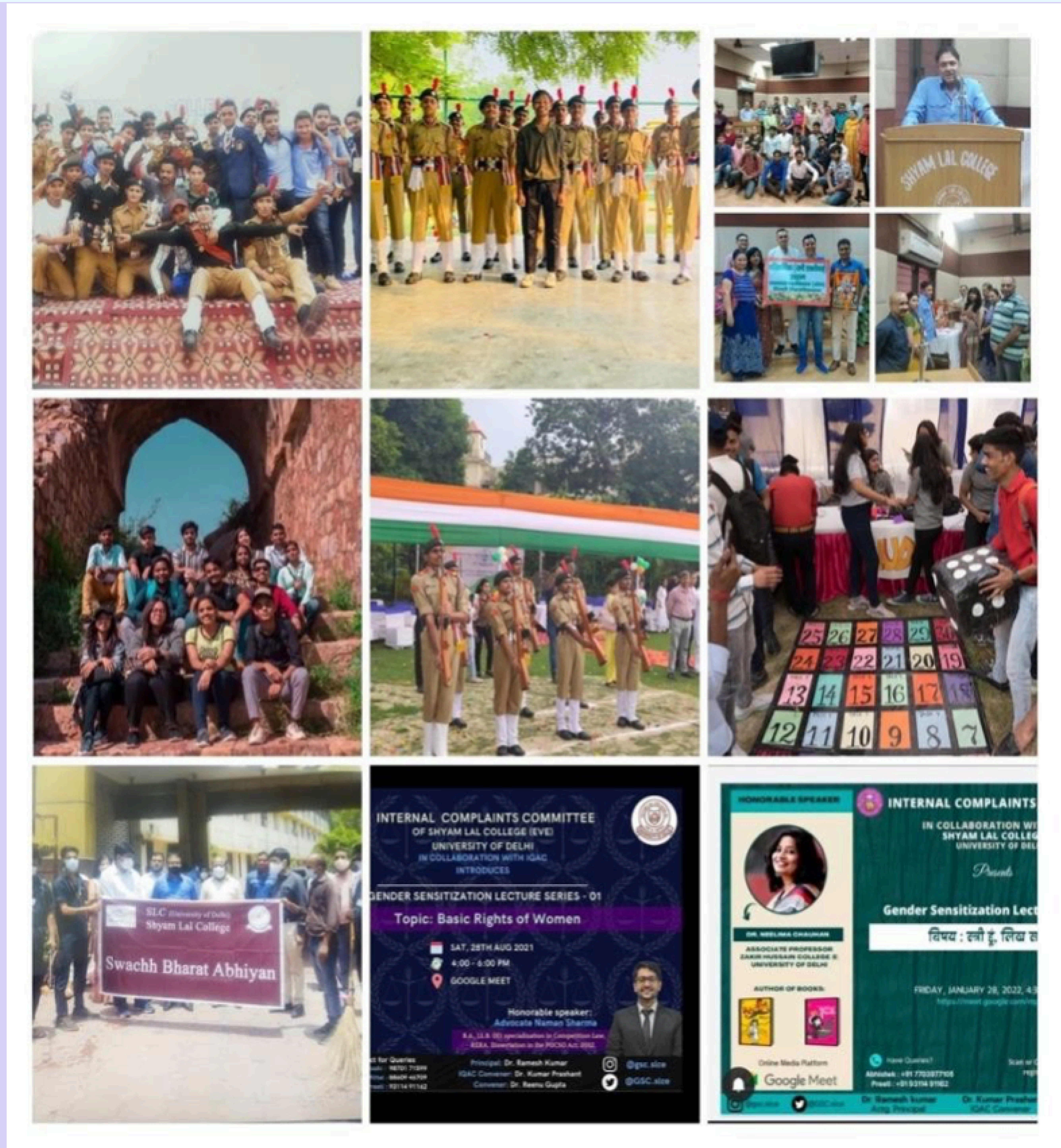

SHYAM LAL COLLEGE (E)

CERTIFICATE

वित्तीय सहायता तथा छात्रवृत्ति और शैक्षणिक पुरस्कार

1. फीस में छूट

सुपात्र व सुयोग्य विद्यार्थियों को फीस में छूट के रूप में वित्तीय सहायता दी जाती है। जिन विद्यार्थियों को फीस में छूट चाहिए उन्हें महाविद्यालय कार्यालय में उपलब्ध निर्धारित फॉर्म में अधिसूचित तिथि तक आवेदन देना चाहिए। फीस छूट पर विचार विद्यार्थी के अच्छे चरित्र और परीक्षा में अच्छे प्रदर्शन पर निर्भर करता है। संतोषजनक प्रदर्शन करने में असफल रहने पर, चाहे वह शैक्षणिक परिणाम हो या अनुशासन, छूट को वापस लिया जा सकता है।

2. विद्यार्थी उपादान कोष

महाविद्यालय में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एक विद्यार्थी उपादान कोष की स्थापना की है। इस कोष का ध्येय योग्य विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है ताकि वे अपना शिक्षण या परीक्षा शुल्क दे सकें अथवा पुस्तकें खरीद सकें।

3. एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी छात्रवृत्ति

भारत सरकार द्वारा मान्य अनुसूचित जाति/जनजाति/ओबीसी इत्यादि के विद्यार्थियों को राज्य सरकारों से छात्रवृत्ति की अनुमति है। ऐसे विद्यार्थियों को निर्धारित फॉर्म में अधिसूचित समय सीमा के भीतर महाविद्यालय के माध्यम से अपने राज्यों के संबंधित प्राधिकारियों यहाँ आवेदन देना होगा।अहर्ता प्राप्त एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी आदि विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की प्रक्रिया के लिए फरवरी माह तक आवेदन देना होगा।

4. रेल में छूट

छुट्टियों के दौरान महाविद्यालय से अपने गृह माता-पिता के पास जाने व वापस आने के लिए विद्यार्थी रेल से छूट ले सकते हैं। इस कार्य के लिए नामांकन प्रपत्र में दर्ज स्थायी पता ही अंतिम होगा। यह स्पष्ट समझ लेना चाहिए कि रेल की यह छूट संबंधियों से मिलने अथवा घूमने जाने के प्रयोजन पर लागू नहीं होगी। पते में किसी भी बदलाव की सूचना पता बदलते ही माता-पिता को सीधे महाविद्यालय को देनी चाहिए। पता बदलने के आवेदन के साथ दस्तावेज साक्ष्य के रूप में संलग्न होना चाहिए।

5. कुलपति वित्तीय सहयोग

यह वित्तीय सहयोग उन विद्यार्थियों को दिया जाता है जिनकी पारिवारिक आय, संपूर्ण स्रोतों से, 1 लाख प्रतिवर्ष से कम होती है और जिनके पास सक्षम प्राधिकार द्वारा निर्गत ए. पी. एल और बी. पी. एल. का मान्य राशन कार्ड होता है।

6. दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य पुरस्कार और वित्तीय सहायताः

विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर अनेक पुरस्कार/वित्तीय सहयोग/छात्रवृत्ति योजनाएँ घोषित की जाती हैं। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि विस्तृत जानकारी के लिए वे नोटिस बोर्ड देखें।

शैक्षणिक पुरस्कार

वार्षिकोत्सव के समय विद्यार्थियों को उनके वार्षिक परीक्षा परिणामों के आधार पर शैक्षणिक पुरस्कार दिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, निम्नांकित नगद स्मृति पुरस्कार भी दिए जाते हैं-

1. श्री सुन्दरलाल रोहतगी एवं श्रीमती रूपवती रोहतगी स्मृति पुरस्कार

250/- रुपयों के तीन पुरस्कार बी. कॉम (ऑनर्स), बी. कॉम एवं बी. ए. पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष में प्रथम आए विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष दिए जाते हैं। ये पुरस्कार स्वर्गीय बी. बी. रोहतगी द्वारा अपने माता-पिता की पुण्य स्मृति में आरंभ किए गए थे।

2. कुमारी कणिका गुप्ता स्मृति पुरस्कार

500 रुपये मूल्य के पुरस्कार बी. कॉम (ऑनर्स) I और II वर्ष की परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दिए जाते हैं। वाणिज्य विभाग के डॉ. आर. एल. गुप्ता द्वारा अपनी पुत्री कुमारी कणिका गुप्ता की पुण्य स्मृति में आरंभ किए गए।

3. श्यामलाल गुप्ता स्मृति पुरस्कार

श्यामलाल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा महाविद्यालय के संस्थापक पद्मश्री (दिवंगत) श्री श्यामलाल गुप्ता की स्मृति में 11000 रुपये का पुरस्कार आरंभ किया गया। यह पुरस्कार प्रथम/द्वितीय वर्ष के उस विद्यार्थी को दिया जाता है जिसने किसी भी पाठ्यक्रम में सर्वाधिक अंक प्रतिशत प्राप्त किया हो।

4. खेल पुरस्कार

प्रत्येक वर्ष बेहतरीन खिलाड़ियों को खेल पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं यदि वे इस उद्देश्य हेतु निर्धारित न्यूनतम स्तर को प्राप्त करते हैं।

5. वर्ष का सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी पुरस्कार:

इस उद्देश्य के लिए निर्धारित न्यूनतम मानकों की प्राप्ति पर प्रत्येक वर्ष उत्कृष्ट विद्यार्थी को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का पुरस्कार दिया जाता है।

विभागीय छात्र-समितियाँ

अमौर

अमौर श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) की वाणिज्य विभाग की सोसायटी है। इसका उद्देश्य वाणिज्य के विद्यार्थियों को ऐसा मंच प्रदान करना है जहाँ वे अपने नेतृत्व कौशल की पहचान कर, संचार और विश्लेषणात्मक कौशल को निखारकर अपनी प्रज्ञता में वृद्धि कर सकते हैं। यह सोसायटी विभिन्न व्याख्यान श्रृंखलाओं, वाद-विवादों, प्रस्तुतियों आदि का आयोजन करती है। यह प्रवक्ता मंच के प्रमुख कार्यक्रम और वार्षिकोत्सव 'इनिशियम' का सफलतापूर्वक संचालन कर रही है।

इकोस्क्वेयर

अर्थशास्त्र विभाग की सोसाइटी, इकोस्क्वेयर विद्यार्थियों के समग्र विकास हेतु अनुकूल वातावरण प्रदान करने की दिशा में एक कदम है। इसका गठन विद्यार्थियों को न केवल शिक्षा में बल्कि कला, वाद-विवाद, नेतृत्व आदि क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु एक मंच प्रदान करने के लिए किया गया है। अपना ध्येय प्राप्त करने के लिए, सोसायटी आमतौर पर युवा संसद, लेखन प्रस्तुति, संगोष्ठी, व्यवसाय परामर्श सत्र 'ऐड-ओ-मैड' जैसे अंतर महाविद्यालय कार्यक्रम संचालित करती रही है, और यह "इकोट्रीज" नामक- वार्षिक आर्थिक उत्सव भी आयोजित करती है।

एला

(अंग्रेजी भाषा एवं साहित्यिक समिति)

श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) के अंग्रेजी विभाग में यह एक अत्यंत जीवंत अंग्रेजी समिति है जो विद्यार्थियों को न केवल विषयावलोकन बल्कि आधुनिक समय और समाज की चुनौतियों की बेहतर समझ विकसित करने में मदद करने के लिए नियमित रूप से कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करती है। यह विभिन्न कार्यक्रमों जैसे रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता, तात्कालिक प्रस्तुति, वाद-विवाद, निबंध लेखन प्रतियोगिता, वार्ता इत्यादि पर ध्यान केंद्रित करती है जिससे विद्यार्थियों की रचनात्मकता, सहजता और विश्लेषणात्मक विचार प्रक्रिया को बढ़ावा मिलता है।

यूरेका

गणित विभाग में 'यूरेका' नामक एक सक्रिय सोसायटी है जो विद्यार्थियों को लिखित प्रस्तुति, गणितीय प्रश्नोत्तरी, चर्चा, खेल या सूचनापत्र रचना जैसे विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपने गणितीय कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करती है। यह प्रख्यात गणितज्ञों और पेशेवरों को भी आमंत्रित करती है जो अपने ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा कर विद्यार्थियों और शिक्षकों के विचारों को समृद्ध बनाते हैं। विद्यार्थियों को गणित और विज्ञान के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ बुद्धिजीवियों के साथ बातचीत करने का अवसर भी प्राप्त होता है।

इन्स्पिरिटी

यह कंप्यूटर विज्ञान की विभागीय सोसायटी है। इन्स्पिरिटी नाम "इंस्पायर इट" से उद्धृत है। इसका प्रयोजन विद्यार्थियों को कंप्यूटर विज्ञान के क्षेत्र अधिकाधिक ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित करना है। यह सोसायटी विद्यार्थियों को अपने व्यक्तित्व को विकसित करने और सुधारने को प्रेरित करने के साथ-साथ उनके लिए वार्ता, प्रतियोगिता एवं प्रश्नोत्तरी जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करती है। यह विद्यार्थियों को कंप्यूटर विज्ञान कौशल के साथ प्रशिक्षित करने के लिए 'एगॉन' (अंतर महाविद्यालय कार्यक्रम) का भी आयोजन करती है।

प्रेरणा

राजनीति विज्ञान विभाग की सोसायटी 'प्रेरणा' अपने नाम के अनुरूप ही प्रेरणा का संचार करती है। प्रेरणा का गठन विद्यार्थियों के समग्र और सर्वांगीण विकास के प्रयोजन हेतु किया गया था। वर्तमान समय में, विद्यार्थियों के विकास हेतु केवल शैक्षणिक क्षेत्र ही पर्याप्त नहीं है। इसलिए, विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और कौशल को निखारने के लिए समय-समय पर शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों का मिश्रण आवश्यक है। संस्था के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए, विद्यार्थियों को प्रेरणा के बैनर तले बेहद जरूरी मंच प्रदान किया जाता है।

साक्ष्य

इतिहास विषय-क्षेत्र की विभागीय सोसायटी 'साक्ष्य' है। इसने सदैव विद्यार्थियों द्वारा आविर्भूत विचारों का स्वागत किया है। छात्रों से जुड़ी यह सोसायटी शैक्षणिक सत्र के दौरान उनके समग्र विकास की दिशा में प्रोत्साहन के रूप में कार्य करती है। इसकी शुरुआत से ही, विद्यार्थियों ने विभिन्न आयामों में अपना योगदान दिया है। वर्ष 2021 में, सोसायटी ने विद्यार्थियों के कौशल को निखारने के लिए दो नवीन कार्यक्रम जोड़े हैं। 1. ग्रेजुएट स्कॉलर्स टॉक सीरीज (जीएसटीएस), विद्यार्थियों द्वारा आयोजित एक साप्ताहिक वार्ता श्रृंखला 2. जर्नल ऑफ़ कॉन्टीन्यूटी एंड चेंज बाय ग्रेजुएट्स (जेसीसी)

सृजन

हिंदी विभाग द्वारा वर्ष 2014 में साहित्यिक गतिविधियों के विशेष आयोजन हेतु विभागीय साहित्यिक मंच 'सृजन' का गठन इस उद्देश्य से किया गया है कि विद्यार्थियों के अंतर्गत साहित्यिक चेतना समुचित विकास हो सके। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु हिंदी विभाग द्वारा विभागीय साहित्यिक मंच 'सृजन' के परामर्शदाता एवं छात्र कार्यकारिणी का गठन प्रत्येक अकादमिक सत्र में नवीन रूप से किया जाता रहा है और संबंधित परामर्शदाता द्वारा दिए गए परामर्श के अनुसार उक्त कार्यकारिणी के द्वारा अकादमिक सत्र के दौरान अनेक प्रकार की साहित्यिक गतिविधियों के आयोजन का संयोजन किया जाता रहा है, जिन आयोजनों में संबंधित विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी भाग लेते रहे हैं।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

अभिव्यंजना

'अभिव्यंजना' नामक सोसायटी विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक साझा मंच प्रदान करती है। सोसाइटी गायन, नृत्य, अभिनय तथा अन्य प्रदर्शन कलाओं से संबंधित कौशल और कला को प्रोत्साहित करने के लिए अपने वार्षिक उत्सव 'जेनेसिस' का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ करती है। सोसायटी की ड्रामा टीम 'यथार्थ' हमारे आसपास के विभिन्न सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने के लिए अभिनय और कई नुक्कड़ नाटक भी करती है। समूह का गायन और नृत्य वर्ग भी अत्यधिक ऊर्जावान और परिश्रमी है और विभिन्न प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों में विविध उल्लेखनीय प्रदर्शन करता रहा है।

पूर्व छात्र संस्था

हमारी एक पूर्व छात्र संस्था है जो दुनिया भर से जुड़े पूर्व छात्रों और सहयोगियों का एक जीवंत और रोचक समुदाय है। यह छात्र संस्था ऐसे सभी प्रकार के पुरस्कार एवं अवसर प्रदान करती है जो आपकी जीवन भर की डिग्री पर ही एक उपलब्धि है। पूर्व छात्र संस्था का हिस्सा होने पर, आप कई संसाधनों का दोबारा उपयोग कर सकते हैं। इनमें पेशेवरों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और सामाजिक हितों का एक विशाल नेटवर्क शामिल है।

अम्बेडकर अध्ययन केंद्र

दिल्ली विश्वविद्यालय के श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) में अंबेडकर अध्ययन केंद्र सत्र 2024 से छात्रों के लिए खुला है। यह अध्ययन केंद्र डॉ. अम्बेडकर का अन्वेषण करता है और अम्बेडकर की विरासत, सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों में उनके योगदान और एक समावेशी और निष्पक्ष समाज के लिए उनके प्रेरक योगदान पर ध्यान केंद्रित करता है। अध्ययन केंद्र का उद्देश्य छात्रों को डॉ. अम्बेडकर के लेखन और दर्शन के प्रति ध्यान आकृष्ट करना है। यह आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देता है और छात्रों को सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों के बारे में जागरूक होने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह सामाजिक न्याय को बढ़ावा देता है और उसकी वकालत करता है। हमारा लक्ष्य एक जीवंत समुदाय को बढ़ावा देना है जहाँ छात्र लोकतांत्रिक, स्वतंत्रता और भाईचारे के मूल्यों को कायम रखने वाली चर्चाओं, बहसों और सहयोग में शामिल हो सकें।

डिबेटिंग सोसायटी

डिबेटिंग सोसायटी कॉलेज की सबसे सतत सोसायटी में से एक है। अपनी स्थापना के बाद से, डिबेटिंग सोसाइटी छात्रों में सकारात्मक और रचनात्मक तरीके से अपनी राय व्यक्त करने का आत्मविश्वास पैदा करने का प्रयास करती है। यह छात्रों के वक्तृत्व कौशल को बढ़ावा देने के लिए एक उपयुक्त मंच प्रदान करता है। यह पूरे वर्ष विभिन्न छात्र-उन्मुख कार्यक्रम, भाषण प्रतियोगिताएं, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं, छात्र सेमिनार, कार्यशालाएं आदि आयोजित करता है।

हर साल, डिबेटिंग सोसाइटी पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों की नियुक्ति करती है, जिसके लिए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में कॉलेज के नोटिस बोर्ड पर एक नोटिस लगाया जाता है, जिसमें इच्छुक छात्रों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

इनैक्टस

इनैक्टस, श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) का गठन हमारे चारों ओर एक बेहतर दुनिया को बनाए रखने की दृष्टि से किया गया था। संकाय सलाहकार और अन्य पदाधिकारियों की मदद से समूह में कई कार्यों/परियोजनाओं को पूरा करने में कामयाब रहा।
गत परियोजनाएँ :

- लक्ष्य- वंचित क्षेत्रों में शैक्षिक संसाधनों के मुद्दे पर केंद्रित है।
- स्वाभिमान-महिलाओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता पर जोर देता है।
- अमृत- यह परियोजना दिल्ली एनसीआर के अर्द्ध -शहरी इलाकों में जूस स्टॉल लगाती है, जहाँ घरेलू महिलाएँ जूस तैयार करती हैं और किफायती दामों पर बेचती हैं।
-

हम समाज की उन्नति के लिए कार्य करते रहे हैं और उद्यमशीलता अभियान के माध्यम से दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए समर्पित हैं।

इको-क्लब

कॉलेज में एक जीवंत इको क्लब है। इसका मिशन कॉलेज में पर्यावरण जागरूकता और स्थिरता को बढ़ावा देना है। क्लब "गो ग्रीन पहल" के लिए प्रतिबद्ध है। क्लब ने हरा-भरा परिसर बनाए रखने के लिए कई कदम उठाए हैं। इसने वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान और रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियों का आयोजन किया है।

समान अवसर प्रकोष्ठ

विकलांग या अल्पसंख्यक दर्जे वाले लोगों के सामने आने वाली मुख्य समस्याएँ पर्यावरण, आर्थिक और सांस्कृतिक बाधाओं को अक्षम करने से उत्पन्न होती हैं। इसलिए विकलांगता और अल्पसंख्यक अन्य प्रकार के अनुचित भेदभाव और पूर्वाग्रहों के समान ही समान अधिकार के मुद्दे हैं। समान अवसर प्रकोष्ठ की स्थापना 27 जून, 2006 को एससी, एसटी, ओबीसी और विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) से संबंधित इन और अन्य जरूरी मुद्दों के समाधान के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा की गई थी।

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और वेबसाइट समिति

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और वेबसाइट समिति कॉलेज की सबसे महत्वपूर्ण और गतिशील समिति में से एक है जो सहयोगात्मक वातावरण में काम करती है। इस समिति का प्राथमिक उद्देश्य कॉलेज में कामकाज के सभी पहलुओं को बेहतर बनाने और संकाय, प्रशासन और छात्रों जैसे सभी संबंधित हितधारकों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग शामिल करना है। समिति छात्रों और प्रशासन के लिए आवश्यक सॉफ़्टवेयर ख़रीदने की सिफ़ारिश करती है। समिति यह भी सुनिश्चित करती है कि कॉलेज से संबंधित अपडेट समय पर वेबसाइट के माध्यम से साझा किए जाएं।

गांधी अध्ययन केंद्र

यह महाविद्यालय की प्रतिष्ठित समितियों में से एक है जो विद्यार्थियों को गांधीवादी दर्शन के साथ-साथ उनकी मान्यताओं के व्यावहारिक दृष्टिकोण के बारे में अपने ज्ञान को समृद्ध करने के लिए महात्मा गांधी के राजनीतिक और सामाजिक जीवन को स्पष्ट कर सूक्ष्म अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। गांधी अध्ययन केंद्र न केवल हमारे महाविद्यालय बल्कि अन्य महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए भी विविध गतिविधियों का आयोजन करता रहा है। मूलतः यह गांधीवादी मूल्यों और दर्शन के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

एनसीसी को रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रशासित किया जाता है और इसका नेतृत्व लेफ्टिनेंट जनरल रैंक के एक महानिदेशक (डीजी) द्वारा किया जाता है जो दिल्ली में डीजी एनसीसी मुख्यालय के माध्यम से इसके कामकाज की निगरानी करता है। श्यामलाल महाविद्यालय एनसीसी, सेना इकाई समूह मुख्यालय "ब" यानी (5 डी बी एन) दिल्ली निदेशालय के कश्मीरी गेट से जुड़ा हुआ है।
एनसीसी (छात्र, सैन्य इकाई):
एनसीसी विकल्प का चयन करने वाले विद्यार्थी, समर्पित शिक्षकों के मार्गदर्शन में रॉक क्लाइंबिंग, पर्वतारोहण, पैरासेलिंग और पैरास्लिथरिंग, योग प्रशिक्षण आदि सहित विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री रैली, गणतंत्र दिवस परेड और कई शिविरों में हमारे सैन्य छात्रों की प्रबल भागीदारी को एनसीसी समूह मुख्यालय द्वारा खूब सराहा गया है। सैन्य छात्रों और एनसीसी विभाग प्रभारी की टीम हर साल "रक्षक" नाम से एक वार्षिक महोत्सव का आयोजन करती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) की एनएसएस इकाई आमतौर पर एनएसएस के नाम से जानी जाने वाली राष्ट्रीय सेवा योजना, गांधीजी के जन्म शताब्दी वर्ष 1969 में भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत 37 विश्वविद्यालयों में शुरू की गई थी। इसका मूल उद्देश्य सामुदायिक सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों में समाज सेवा और राष्ट्रवाद की भावना विकसित करना और स्वार्थरहित युवा नेताओं को तैयार करना है। एनएसएस "मैं नहीं बल्कि आप" सिद्धांत पर कार्य करता है। हमारी इकाई रक्तदान, सामाजिक जागरूकता, स्वच्छ भारत अभियान आदि जैसे कई कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन कर रही है।

पिकोहोलिक्स

फोटोग्राफी और फिल्म निर्माण सोसायटी

श्याम लाल कॉलेज (सांध्य) की 'फोटोग्राफी और फिल्म निर्माण सोसायटी' कॉलेज की सबसे मान्यता प्राप्त और सबसे बड़ी सोसायटी में से एक है। सोसायटी का उद्देश्य फोटोग्राफी कौशल को बढ़ाना और छात्रों के व्यक्तित्व में सुधार करना है। इसके अलावा, सोसायटी का लक्ष्य इस सोसायटी के साथी छात्र सदस्यों को सामूहिक कार्य का बेहतर अनुभव प्रदान करना है। शैक्षणिक सत्र के दौरान, ओरिएंटेशन प्रोग्राम, मुस्कान, पिक्सर्निवल, फिल्म निर्माण और पटकथा लेखन कार्यशाला, पिकासो 2.0 (ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी प्रतियोगिता), फोटोग्राफी और फिल्म निर्माण पर व्याख्यान और सम्मान समारोह, सिनैप्स-वार्षिक उत्सव जैसे कार्यक्रम अक्सर 'फोटोग्राफी और फिल्म निर्माण सोसायटी' द्वारा आयोजित किए जाते हैं।

प्लेसमेंट सेल

श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) में एक अत्यंत सक्रिय प्लेसमेंट सेल है जो विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित फर्मों, संस्थानों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों के संपर्क में रहकर नौकरी के अवसर खोजने में मदद करता है। एसएलसी-ई के प्लेसमेंट सेल का प्रमुख केंद्र शिक्षार्थियों की रोजगारपरक कुशलता को सुनिश्चित करना है। हम पिछले कुछ वर्षों में लगातार प्लेसमेंट रिकॉर्ड बनाए रखने में सफल रहे हैं। सेल विद्यार्थियों की रोजगारपरक क्षमता को बढ़ाने के लिए उन्हें अभिक्षमता परीक्षण, गणितीय क्षमता, सामूहिक चर्चा, व्यक्तिगत साक्षात्कार, व्यवहार एवं सामाजिक कुशलता आदि क्षेत्रों में आवश्यक प्रशिक्षण देने जैसे विभिन्न स्तरों पर कार्य करता है।

संगोष्ठी समिति

संगोष्ठी समिति वर्ष भर शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने में सक्रिय भूमिका निभाती है।समिति का प्राथमिक लक्ष्य संबंधित विषयों में वर्तमान और भविष्य के रुझानों के बारे में हमारा मार्गदर्शन करने के लिए वक्ताओं और विद्वान लोगों को आमंत्रित करके कॉलेज में अकादमिक उत्कृष्टता लाना है। हर साल सेमिनार आयोजित किए जाते हैं ताकि छात्रों के साथ-साथ संकाय सदस्यों को अकादमिक दुनिया में हालिया रुझानों और विकास के बारे में जानकारी मिल सके। कुल मिलाकर संगोष्ठी समिति सेमिनार और संबंधित कार्यक्रमों के माध्यम से सीखने, नेटवर्किंग और बौद्धिक आदान-प्रदान के अवसरों को सुविधाजनक बनाकर कॉलेज के शैक्षणिक माहौल को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कौशल विकास समिति

श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) की कौशल विकास समिति विद्यार्थियों के समग्र कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करती है। महाविद्यालय की सबसे महत्वपूर्ण समिति में से एक जो विद्यार्थियों के लिए और विद्यार्थियों के साथ मिलकर काम करती है ताकि उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद मिल सके। यह विशेषता कि इसमें न केवल अपने महाविद्यालय के विद्यार्थी बल्कि दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य सभी महाविद्यालयों के विद्यार्थी समिति द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग ले सकते हैं और खुद को 'भविष्योन्मुख कौशल' के साथ तैयार कर सकते हैं, कौशल विकास समिति को अन्य समितियों से अलग बनाती है। समिति में व्यक्तिगत साक्षात्कार, अच्छा संचार कौशल, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयारी की रणनीति आदि जैसे विषयों पर संगोष्ठी और परिसंवाद शामिल हैं। नियत समय में, ये सत्र विद्यार्थियों को अपने शैक्षणिक करियर में आगे बढ़ने के दौरान उपजी विविध शंकाओं और प्रश्नों को सम्मिलित करते हैं। इसके साथ-साथ समिति उनके कौशल को निखारने और बढ़ावा देने के लिए वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी आदि सहित विविध प्रतियोगिताओं का भी आयोजन करता है। इसका यह कार्य अपने उद्देश्य और नाम यानी कौशल विकास का औचित्य सिद्ध करती है।

महाविद्यालय की पत्रिका- स्तवक

'स्तवक' पत्रिका एक बहुत ही प्रतिष्ठित और स्थापित पत्रिका है, जो अपने विद्यार्थियों में रचनात्मकता का अंकुर प्रस्फुटित करने के लिए एक उपयुक्त मंच प्रदान करती है। यह अपने विद्यार्थियों को रचनात्मक लेखन कौशल, नवीनतम कल्पना, बेहतर अवलोकन और उच्च चिंतन स्तर विकसित करने हेतु प्रेरित करती है। पत्रिका का संपादकीय मंडल प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में विद्यार्थियों की मौलिक रचनाएं: कविताएं, लेख, लघु-कहानियां, निबंध, यात्रा-वृतांत आदि आमंत्रित करता है। रचनात्मकता की राह में भाषा की बाधा दूर करने के लिए, 'स्तवक' में हिंदी और अंग्रेजी दोनों के अनुभाग हैं।

छात्र सलाहकार समिति

समिति हर साल छात्र संघ का चुनाव संचालित करती है और शैक्षणिक सत्र के दौरान सामने छात्रों से संबंधित मुद्दों को हल करने का प्रयास करती है। समिति छात्रों के विभिन्न कार्यक्रमों को सलाह और मार्गदर्शन देती है और एक शैक्षणिक सत्र में आयोजित विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रमों के समग्र प्रबंधन पर कड़ी नजर रखती है। समिति मुख्य रूप से छात्रों के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में कार्य करती है और अपने अनुभव साझा करती है ताकि छात्र अपने स्वतंत्र निर्णय ले सकें और सामूहिक भावना विकसित कर सकें और व्यवस्था का हिस्सा बन सकें।

विकसित भारत 2047 समिति

हमारी केंद्र सरकार ने विकसित भारत@2047 पहल शुरू की है। इसका उद्देश्य 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाना है। इस महान पहल में योगदान देने के लिए, हमारे कॉलेज ने विकसित भारत 2047 समिति भी बनाई है। समिति का उद्देश्य हमारे छात्रों को उन गतिविधियों में शामिल करना है जो भारत को एक विकसित देश बनाने में योगदान दें। यह पहले ही विकसित भारत एंबेसेडर-नारी शक्ति कॉन्क्लेव और रन फॉर विकसित भारत में हिस्सा ले चुकी है।

WUS और स्वास्थ्य जागरूकता समिति

हमारे कॉलेज में WUS और स्वास्थ्य जागरूकता समिति पूरे वर्ष काम करती है। समिति यह सुनिश्चित करती है कि कॉलेज परिसर में हमारे छात्रों और शिक्षकों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो। WUS समिति ने छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच स्वास्थ्य और स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कई कार्यशालाएँ, संगोष्ठी , शिविर और गतिविधियाँ आयोजित की हैं।

आंतरिक शिकायत समिति

कार्यस्थल में महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 (आमतौर पर पॉश अधिनियम के रूप में जाना जाता है) ने शिकायत निवारण के मंच के रूप में एक शिकायत प्रणाली विकसित की है जिसे आंतरिक शिकायत समिति या आईसीसी कहा जाता है।
यूजीसी विनियमन (उच्च शिक्षण संस्थानों में महिला कर्मचारियों और छात्रों के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण), 2015 के पालन में श्यामलाल महाविद्यालय (सांध्य) की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) एक पीड़ित महिला से कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की शिकायतें प्राप्त करने के साथ-साथ ऐसी शिकायत की जांच के अनुसार पूछताछ करने और आवश्यक कार्रवाई पर नियोक्ता को सलाह देने के लिए बनाया गया एक निकाय है। इसके साथ ही इसका गठन शिकायत की जांच करने और की गई शिकायतों के संबंध में पुष्टि करने हेतु किया गया है। आईसीसी, पॉश अधिनियम के कार्यान्वयन और निष्पादन में सहभागी होने के कारण कानून का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है।

क्रम सं.	नाम और पदनाम	पद	संपर्क नंबर और ईमेल
1	प्रोफ़ेसर अर्चना उपाध्याय	**पीठासीन अधिकारी**	9310023132 **�aupadhyaya@shyamlal.du.ac.in**

पूर्वोत्तर प्रकोष्ठ

श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य) में ऐसे लगभग 150 विद्यार्थी हैं जो भारत के उत्तर-पूर्वी भाग से आते हैं। यह महाविद्यालय के एक लघु पूर्वोत्तर सांस्कृतिक परिवेश जैसा लगता है। उनमें से अधिकांश ने बी.ए. (प्रोग्राम) के तहत नामांकन किया है। उनकी सुरक्षा, समझ और सांस्कृतिक विविधता को सुनिश्चित करने के लिए, महाविद्यालय में डॉ. नेहखोलेन हॉकिप की देखरेख में यह एक कौशल विकास समिति बनायी गयी है जो हर साल महाविद्यालय में पूर्वोत्तर सांस्कृतिक उत्सव भी मनाती है।

नोडल एवं संपर्क पदाधिकारी

नोडल अधिकारी- पीएमएसएस
डॉ. मनु उमेश

संपर्क पदाधिकारी

डॉ. रामरूप मीना
संपर्क अधिकारी, एस.सी./एस.टी.

डॉ. संदीप कुमार यादव
संपर्क अधिकारी, ओबीसी

प्रो. आदित्य पी. त्रिपाठी
संपर्क अधिकारी, ईडब्ल्यूएस

श्री पवन कुमार भूरा
संपर्क अधिकारी, पीडब्ल्यूडी

संयोजक, उत्तर-पूर्व प्रकोष्ठ
डॉ. नेहखोलेन हॉकिप

लोक सूचना अधिकारी	**अपीलीय प्राधिकरण**
श्री दीपक कुमार	प्रो. नचिकेता सिंह
अनुभाग अधिकारी (प्रशासन)	प्राचार्य
श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य)	श्याम लाल महाविद्यालय (सांध्य)
जी.टी. रोड, शाहदरा,	जी.टी. रोड, शाहदरा,
दिल्ली-110032	दिल्ली-110032
Phone:011-22324883	Phone:011-2232488

अनुशासनात्मक अधिकार-क्षेत्र और आचार नियमावली
विद्यार्थियों के लिए आचार संहिता

1. विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे आचरण के उच्चतम मानकों का अनुपालन करने, महाविद्यालय की प्रतिष्ठा को बढ़ावा देने और सकारात्मक साथी भावनाएँ विकसित करने का प्रयास करेंगे।
2. जिस विद्यार्थी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है उसका दाखिला रद्द किया जा सकता है। यदि महाविद्यालय अनुशासन समिति द्वारा निर्णय लिया जाता है तो ऐसा विद्यार्थी जीते गए किसी भी पुरस्कार या पद जब्त करने हेतु उत्तरदायी होगा।
3. जिसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है उसे चुनाव लड़ने की भी अनुमति नहीं दी जाएगी।
4. अनुशासनात्मक कार्रवाई के आधार: स्टाफ के सदस्यों (शिक्षण और प्रशासनिक) और साथी विद्यार्थियों के प्रति दुर्व्यवहार; धूम्रपान, मद्यपान, जुआ खेलना और किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों का सेवन; छेड़-छाड़; आवागमन का मार्ग अवरुद्ध करना; संस्थान की संपत्ति (भवन, उपकरण, उद्यान, कैंटीन के बर्तन आदि) को क्षति पहुंचाना; कक्षा में मोबाइल फोन का प्रयोग; बाहरी लोगों के साथ मिलकर महाविद्यालय में किसी भी रूप में अनुशासनहीनता पैदा करना। (किसी भी बाहरी व्यक्ति को बिना किसी स्पष्ट उद्देश्य के महाविद्यालय में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी और सभी आगंतुकों को आगंतुक रजिस्टर में प्रविष्टि करनी होगी)। छुट्टियों के दिन महाविद्यालय परिसर में अनाधिकृत प्रवेश; गलियारों में अनावश्यक घूमना और कक्षाओं के बाहर और अंदर शोर करना। उपरोक्त में से किसी में भी दोषी पाए जाने पर विद्यार्थी दंड के भागी हैं जिसके लिए जुर्माने से लेकर महाविद्यालय से निलंबन या निष्कासन तक हो सकता है।
5. विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे कक्षाओं में नियमित रहें।
6. उन्हें महाविद्यालय को साफ-सुथरा रखना चाहिए।
7. विद्यार्थियों को पुस्तकालय में पूर्ण शांति बनाए रखनी चाहिए और स्थायी आदेशों का पालन करना चाहिए। उनके द्वारा सुविधाओं का समुचित उपयोग अपेक्षित है।
8. विद्यार्थी महाविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों और विनियमों का पालन करते हुए अपने पसंदीदा खेलों या प्रतियोगिताओं में भाग ले सकते हैं।
9. विद्यार्थियों को हमेशा अपने साथ पहचान-पत्र रखना होगा।
10. विद्यार्थियों को महाविद्यालय से संबंधित सूचनाओं की अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक सूचना-पट्ट, खेल सूचना-पट्ट और पुस्तकालय सूचना-पट्ट प्रतिदिन अवश्य देखना चाहिए।
11. विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि महाविद्यालय में शिक्षण समय के दौरान किसी भी अतिथि को आमंत्रित न करें।
12. विद्यार्थियों के सुझावों का हमेशा स्वागत है और उन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

महाविद्यालय धूम्रपान मुक्त क्षेत्र है।

यदि कोई विद्यार्थी परिसर के अंदर धूम्रपान करते हुए पाया जाता है तो उसे महाविद्यालय के नियमानुसार दंडित किया जाएगा।

अनुशासन

- महाविद्यालय में अनुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। महाविद्यालय नियमों के अनुसार अनुशासनहीनता दंडनीय है।
- अनुशासन समिति को अनुशासनहीनता के मामलों से निपटने का अधिकार है।
- अनुशासन के किसी भी उल्लंघन के विरुद्ध कार्रवाई करने के अंतिम प्राधिकारी महाविद्यालय के प्राचार्य हैं।

यौन उत्पीड़न के खिलाफ शिकायतें

किसी भी प्रकार का यौन उत्पीड़न वर्जित है। कॉलेज की आंतरिक शिकायत समिति इससे संबंधित सभी शिकायतों का समाधान करती है। इस संबंध में यदि कोई शिकायत हो, तो वह कॉलेज की आंतरिक शिकायत समिति के पीठासीन अधिकारी को अग्रेषित की जाएगी।

महाविद्यालय के नियम

- यदि कोई विद्यार्थी महाविद्यालय में प्रवेश चाहता है, तो महाविद्यालय द्वारा यह माना जाता है कि विद्यार्थी का एक गंभीर उद्देश्य है और उससे हर क्षेत्र में सर्वोच्च उपलब्धि हासिल करने और वह जहाँ भी हो, जिम्मेदार और सम्मानजनक शैली में व्यवहार करने की अपेक्षा की जाती है।
- महाविद्यालय में प्रवेश लेने पर विद्यार्थी उसके सभी नियम-कानूनों को स्वीकार करता है।
- वह महाविद्यालय में और उससे बाहर होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

शैक्षणिक समिति

- प्रत्येक शैक्षणिक विभाग अपने विषय क्षेत्र में शिक्षकों और विद्यार्थियों की एक समिति का गठन करता है।
- प्रत्येक विद्यार्थी एक विषय क्षेत्र की समिति का सदस्य होता है और समिति द्वारा आयोजित संगोष्ठियों, वाद-विवाद, व्याख्यानों आदि में सक्रिय भाग लेता है।

सूचना- पट्ट

महाविद्यालय सूचना-पट्ट का उपयोग विद्यार्थियों को आधिकारिक और अन्य जानकारी देने के लिए किया जाता है। एक बार संदेश सूचना- पट्ट पर प्रसारित होने के बाद, उसकी अनदेखी को पालन न करने के निमित्त प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है।

पहचान- पत्र

पहचान-पत्र महाविद्यालय के भीतर और बाहर विद्यार्थी की पहचान का द्योतक है। महाविद्यालय के किसी भी कर्मचारी द्वारा किसी भी समय विद्यार्थियों को अपना पहचान पत्र दिखाने के लिए कहा जा सकता है। बिना पहचान -पत्र वाले विद्यार्थियों को वापस भेजा जा सकता है।

प्रमाण-पत्र, प्रशस्ति- पत्र और प्रति-लेख प्रमाण पत्र

- महाविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार चरित्र प्रमाण-पत्र और प्रशस्ति-पत्र जारी किए जाएंगे।

विद्यार्थियों के लिए यात्रा रियायत सुविधा

- रेलवे द्वारा रियायत प्राप्त करने के लिए आवेदन- पत्र कार्यालय में उपलब्ध रहता है। आवेदन में निम्नलिखित जानकारी होनी चाहिए-

i. विद्यार्थी का नाम
ii. कक्षा जिसमें वह पढ़ रहा है
iii. उसकी आयु
iv. गंतव्य, अर्थात वह शहर जहाँ वह यात्रा कर रहा है।

रैगिंग-विरोधी नियम

- रैगिंग के प्रति जीरो टॉलरेंस (मनोरंजन के लिए भी नहीं): महाविद्यालय परिसर और दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर के किसी भी क्षेत्र के साथ-साथ सार्वजनिक परिवहन में किसी भी रूप में रैगिंग सख्ती से प्रतिबंधित है।
- रैगिंग का कोई भी वैयक्तिक या सामूहिक कृत्य गंभीर अनुशासनहीनता है और इस पर अध्यादेश XV- बी और सी के तहत कार्रवाई की जाएगी।
- इस सन्दर्भ में रैगिंग का अर्थ सामान्यतः ऐसा कोई भी कार्य, आचरण या व्यवहार है जिसमें वरिष्ठ विद्यार्थी के पद और अधिकार का वर्चस्व नए प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों या वे विद्यार्थी जो अन्य छात्रों से किसी भी तरह से छोटे या निम्न हों, पर हो और इसमें वैयक्तिक या सामूहिक कार्य या व्यवहार शामिल हैं जिसमें

(1)मार-पीट, धमकी या शारीरिक बल का प्रयोग,
(2)विद्यार्थियों के पद, प्रतिष्ठा एवं सम्मान की अवहेलना करना,
(3)अनुसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थियों की स्थिति, गरिमा एवं सम्मान को भंग करना,
(4)विद्यार्थियों का उपहास और अवमानना कर उनके आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचाना,
(5)अपशब्द और आक्रामकता, अश्लील इशारे करना और आपत्तिजनक व्यवहार आदि शामिल हैं।

- यदि कोई पूर्व विद्यार्थी, जिसने दिल्ली विश्वविद्यालय की डिग्री प्राप्त की है, इस अध्यादेश के तहत रैगिंग का दोषी पाया जाता है, तो उस पर नियम 15 के तहत विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त डिग्री वापस लेने के लिए उचित कार्रवाई की जा सकती है। .
- इस अध्यादेश के अंतर्गत रैगिंग के लिए उकसाना भी रैगिंग के समान होगा।

रैगिंग संबंधी शिकायतें

इस मामले में पीड़ित कोई भी विद्यार्थी शीघ्र अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए निर्भीकता से अनुशासन समिति के संयोजक या कॉलेज के किसी भी स्टाफ सदस्य से संपर्क कर सकता है। रैगिंग का दोषी पाए जाने वाले को निम्नलिखित में से किसी एक या अधिक दंड का सामना करना पड़ सकता है:

- महाविद्यालय से निष्कासन
- निश्चित अवधि के लिए महाविद्यालय या कक्षाओं से निलंबन या सार्वजनिक क्षमा-याचना के साथ जुर्माना
- छात्रवृत्ति और अन्य लाभों पर रोक लगाना
- महाविद्यालय आयोजनों में प्रतिनिधित्व से वंचित करना
- परिणाम रोकना
- आवश्यकता पड़ने पर मामला पुलिस को सौंपना।

टिप्पणी: माननीय सर्वोच्च न्यायालय और यूजीसी/एआईसीटीई विनियमों के अनुसार सभी विद्यार्थियों को प्रत्येक वर्ष एंटी रैगिंग शपथ-पत्र भरना अनिवार्य है। प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए एमएचआरडी ने ऑनलाइन सुविधा विकसित की है जिससे इसे www.amanmovement.org या www.antiragging.in पर ऑनलाइन भरा जा सकता है।

महत्वपूर्ण वेबसाइटें और उनके लिंक

- Admission website: admission.uod.ac.in

- UG Bulletin of Information: https://admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/28022024_BOI-UG-2024-25_compressed-o.pdf

- Common Seat Allocation System (CSAS-2024): https://admission.uod.ac.in/userfiles/downloads/29052024_CSAS-UG_compressed.pdf

- CSAS Registration Link: https://ugadmission.uod.ac.in/
- University of Delhi: http://www.du.ac.in/
- Examination Branch: http://www.exam.du.ac.in/
- University of Grants Commission: http://www.ugc.ac.in/
- CUET: http://www.cuet.samarth.ac.in/
- National Testing Agency: http://www.nta.ac.in/
- Delhi Govt.: http://www.delhi.gov.in/

- Department of Social Justice and Empowerment: http://www.socialjustice.gov.in/

- DTU: http://www.dtu.ac.in/
- JNU: http://www.jnu.ac.in/
- JMI: http://www.jmi.ac.in/
- IPU: http://www.ipu.ac.in/

अवकाश सूची
2024-25

वर्ष 2024 के दौरान केंद्र सरकार द्वारा घोषित राजपत्रित अवकाशों की सूची

क्र. सं	अवकाश	दिनांक	शक संवत् तिथि	दिन
	1945 शक संवत्			
1	गणतंत्र दिवस	26 जनवरी	माघ 06	शुक्रवार
	1946 शक संवत्			
2	होली	25 मार्च	चैत्र 05	सोमवार
3	गुड फ्राइडे	29 मार्च	चैत्र 09	शुक्रवार
4	ईद-उल-फितर	11 अप्रैल	चैत्र 22	गुरुवार
5	राम नवमी	17 अप्रैल	चैत्र 28	बुधवार
6	महावीर जयंती	21 अप्रैल	वैशाख 01	रविवार
7	बुद्ध पूर्णिमा	23 मई	ज्येष्ठा 02	गुरुवार
8	ईद-उल-जुहा (बकरीद)	17 जून	ज्येष्ठ 27	सोमवार
9	मुहर्रम	17 जुलाई	आषाढ़ 26	बुधवार
10	स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त	सर्वना 24	गुरुवार
11	जन्माष्टमी (वैष्णव)	26 अगस्त	भाद्र 04	सोमवार
12	मिलाद-उन-नबी या ईद-ए-मिलाद (पैगंबर मुहम्मद साहब जयंती)	16 सितंबर	भाद्र 25	सोमवार
13	गांधी जयंती	02 अक्टूबर	असविना 10	बुधवार
14	दशहरा	12 अक्टूबर	असविना 20	शनिवार
15	दीपावली	31 अक्टूबर	कार्तिका 09	गुरुवार
16	गुरु नानक जयंती	15 नवंबर	कार्तिक 24	शुक्रवार
17	क्रिसमस डे	25 दिसंबर	पौष 04	बुधवार

समान शैक्षणिक कैलेंडर 2024-25

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए लागू समान शैक्षणिक कैलेंडर

सेमेस्टर I	
कक्षाएं प्रारंभ	29 अगस्त, 2024 (गुरुवार)
मध्य सत्रावकाश	27 अक्टूबर , 2024 (रविवार) से 3 नवंबर ,2024 (रविवार)
मध्य सत्रावकाश के बाद कक्षाएं प्रारंभ	4 नवंबर, 2024 (सोमवार)
कक्षा-विसर्जन, तैयारी के लिए छुट्टी, प्रायोगिक परीक्षाओं का आयोजन	24 दिसंबर, 2024 (मंगलवार)
सैद्धांतिक परीक्षाओं का आरंभ	6 जनवरी 2025 (सोमवार)
शीतकालीन अवकाश	25 जनवरी 2025 (शनिवार)
सेमेस्टर II	
कक्षाएं प्रारंभ	27 जनवरी, 2025 (सोमवार)
मध्य सत्रावकाश	9 मार्च, 2025 (रविवार) से 16 मार्च, 2025 (रविवार)
मध्य सत्रावकाश के बाद कक्षाएं प्रारंभ	17 मार्च, 2025 (सोमवार)
कक्षा-विसर्जन, तैयारी के लिए छुट्टी, प्रायोगिक परीक्षाओं का आयोजन	25 मई, 2025 (रविवार)
सैद्धांतिक परीक्षाओं का आरंभ	7 जून, 2025 (शनिवार)
ग्रीष्मकालीन अवकाश	29 जून, 2025 (रविवार) से 20 जुलाई, 2025 (रविवार)

सेमेस्टर III/V	
कक्षाएं प्रारंभ	1 अगस्त, 2024 (गुरुवार)
मध्य सत्रावकाश	27 अक्टूबर, 2024 (रविवार) से 3 नवंबर, 2024 (रविवार)
मध्य सत्रावकाश के बाद कक्षाएं प्रारंभ	4 नवंबर, 2024 (सोमवार)
कक्षा-विसर्जन, तैयारी के लिए छुट्टी, प्रायोगिक परीक्षाओं का आयोजन	28 नवंबर, 2024 (गुरुवार)
सैद्धांतिक परीक्षाओं का आरंभ	10 दिसंबर, 2024 (मंगलवार)
शीतकालीन अवकाश	29 दिसंबर , 2024 (रविवार) से 1 जनवरी , 2025 (बुधवार)
सेमेस्टर IV/VI	
कक्षाएं प्रारंभ	2 जनवरी, 2025 (गुरुवार)
मध्य सत्रावकाश	9 मार्च, 2025 (रविवार) से 16 मार्च, 2025 (रविवार)
मध्य सत्रावकाश के बाद कक्षाएं प्रारंभ	17 मार्च, 2025 (सोमवार)
कक्षा-विसर्जन, तैयारी के लिए छुट्टी, प्रायोगिक परीक्षाओं का आयोजन	30 अप्रैल, 2025 (बुधवार)
सैद्धांतिक परीक्षाओं का आरंभ	13 मई, 2025 (मंगलवार)
ग्रीष्मकालीन अवकाश	1 जून, 2025 (रविवार) से 20 जुलाई, 2025 (रविवार)

तृतीय वर्ष के छात्रों
विदाई समारोह
श्यामलाल महाविद्यालय(सांध्य)
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-32

GANDHI
UNIVERSITY

UNIVERSITY OF DELHI
ELLA
(ENGLISH LANGUAGE AND LITERARY ASSOCIATION)
Presents
CAREER COUNSELLING
3:30 PM ONWARDS
SEMINAR HALL

Seminar Hall
ISSUES IN HISTORY 3.0

Interim Budget 2024-25 of Rs 47, 65,768 crore is a purely democratic budget : Prof. M.M. Goel

Page3News
• **New Delhi** / 15 Feb.

Interim Budget 2024-25 of the size of Rs 47,65,768 crore is a purely democratic budget with hope and enthusiasm for Viksit Bharat," believes Propounder Needonomics School of Thought Dr Madan Mohan Goel, Former Vice-Chancellor superannuated Professor of economics from Kurukshetra University. He was addressing the students and staff of Shyam Lal College (Evening) Delhi on the topic " Interim Budget 2024-25 for Viksit Bharat : Employment Opportunities " organized by Placement Cell. The event was marked by a welcome address by Dr. Hemant Kukreti, Principal who also presented a citation on the achievements of

Prof. M.M. Goel. Dr Ajay Gupta convener proposed the vote of thanks. Mr Pankaj Vats and Ms Nandini Paul acted as the master of ceremony.

The budget proposals were necessary for the vision of Viksit Bharat towards 2047 but not sufficient for employment opportunities, told former VC Dr Goel.

For creating more employment opportunities Prof. Goel told that the employment multiplier is highest in tourism which stands strengthened by encouraging states by availing long-term interest-free loans. Additionally, he advocated for the transformation of entities like the Khadi & Village Industries Commission (KVIC) and Life Insurance Corporation (LIC) of India into multinational corporations (MNCs) to stimulate job creation, aligning with the export of manpower as per WTO directives. Needonomist Goel stressed the importance of strengthening the seven priorities outlined in 2023-24, likening them to the guiding principles of the 'Saptarishi' leading us through the transformative period of Amrit Kaal.

Needo-education of Gita-based needonomics as a commonsense approach is a necessary and sufficient condition for Viksit Bharat , said Prof. Goel.

Gita –based needonomics, as elucidated by Dr. Goel, encompasses various domains including needo-consumption, needo-saving, needo-investment, needo-growth, needo-exports, needo-altruism for needo-wealth, needo-health, and needo-happiness. In crafting a new narrative for Viksit Bharat, Dr Goel urged for boldness, courage, and enthusiasm among citizens to embody the qualities of being street SMART (Simple, Moral, Action-oriented, Responsive, and Transparent) global citizens.

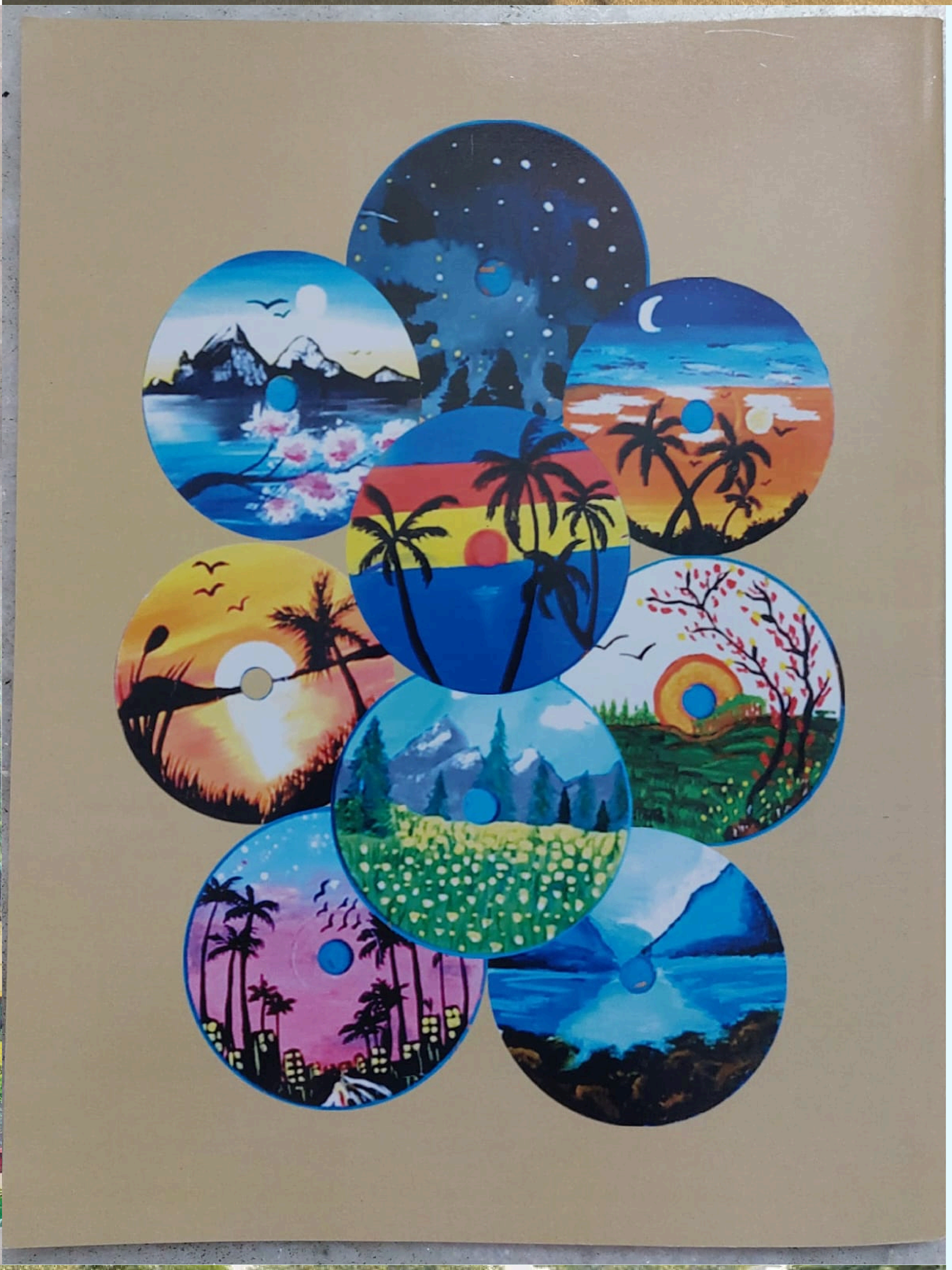

Ground Floor
Principal Office (M)
Administrative Block (M)
Administrative Block (E)
Principal Office (E)
IGNOU Coordinator (0769)
Staff Room
Library
Bank
Room No. 1 to 8
IGNOU Library (0769)
Electronics Lab
Room No. 9 & 10
Physics Lab
Cafeteria
SLC
CHAIRPERSONS
IInd Floor
Room No. 29 to 39
Room No. 40
Room No. 41
Ist Floor
Computer Lab (M)
Room No. 16 to 19
Computer Lab (E)
Room No. 20 to 27
G.C.R
Room No. 15
Room No. 28
Chemistry Lab
Library
Maintain Distance

श्यामलाल महाविद्यालय (सांध्य)
जी. टी. रोड ,शाहदरा,
दिल्ली -110032